संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 200
पृष्ठ 8
शुक्रवार
11 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में ये ६ जरुरी चींजे...

विचार- ट्रम्प की जिद से शेयर बाजार तबाह

खेल- हेली मैथ्यूज : मोच के चलते स्ट्रेचर...

गोली चलाए बिना हासिल किया जा सकता है लक्ष्य : राजनाथ

● उभरती हुई तकनीकें बदल रहीं इसका स्वरूप

● भविष्य के युद्धों के लिए एकजुट होकर तैयार रहें सशस्त्र बल : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि निरंतर बदलती परिस्थितियों और साइबर, अंतरिक्ष तथा सूचना युद्ध के पारंपरिक अभियानों का रूप लेने की संभावना के मद्देजनर सशस्त्र बलों को एकजुट होकर काम करते हुए भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरूवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह में भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक भू–राजनीति को तीन प्रमुख मापदंडों राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक प्रमुख धुरी, वैश्विक परिदृश्य में फैलती तकनीकी सुनामी और नवाचार में तेजी द्वारा फिर से परिभाषित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से रणनीतिक–सैन्य परिवर्तन बदलाव में आगे रहने के लिए इन प्रवृत्तियों की बारीकियों का गहराई से अध्ययन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सशस्त्र बलों को बहु–क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम और तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई तकनीकें महत्वपूर्ण तरीकों से प्रतिरोध और युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं। तकनीकी नवाचार की शक्ति विस्मयकारी है। उन्होंने कहा , " यूक्रेन–रूस संघर्ष में, ड्रोन वस्तुतः एक नए हथियार के रूप में उभरे हैं, भले ही वे एक परिवर्तनकारी विज्ञान न हों। सैनिकों और उपकरणों के अधिकांश नुकसान के लिए न तो पारंपरिक तोपखाने और न ही कवच घ्को जिम्मेदार ठहराया गया है, बल्कि ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसी तरह, लो अर्थ ऑर्बिट में अंतरिक्ष क्षमताएं सैन्य खुफिया, निरंतर निगरानी, घ्घ्घ्स्थिति, लक्ष्यीकरण और संचार को बदल रही हैं, जिससे युद्ध एक नए स्तर पर पहुंच रहा है।" रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया 'ग्रे जोन' और 'हाइब्रिड युद्ध' के युग में है, जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे उपकरण बन गए हैं जो एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक–सैन्य लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना कर रहा है, जो इसके पड़ोस से उत्पन्न छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से और भी जटिल हो गए हैं। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर–पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भू–राजनीतिक तनाव के समग्र सुरक्षा गणित पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों में बदलाव को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का विजन दो आधारभूत स्तंभों – सुरक्षित भारत और सशक्त भारत पर मजबूती से टिका हुआ है। श्री सिंह ने आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा, " संघर्षों के सबक हमें सिखाते हैं कि लचीला, स्वदेशी और भविष्य के लिए तैयार रक्षा प्रौद्योगिकी और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकल्प नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है। कम लागत वाले उच्च तकनीकी समाधान विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे बलों को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।" उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी घटकों के बीच बेहतर तालमेल की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक, सूचनात्मक, सैन्य, आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों के संपूर्ण स्पेक्ट्रम में कार्रवाई करते समय 'संपूर्ण राष्ट्र' दृष्टिकोण को बढ़ावा देना इस प्रयास में सफलता सुनिश्चित करने की कुंजी है। ग्लोबल साउथ के लिए प्रधानमंत्री के 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रों के लिए बेहतर भविष्य और समृद्धि प्राप्त करना हमेशा एक सामूहिक प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा, "देशों और लोगों के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी और निर्भरता का मतलब है कि चुनौतियों का सामना व्यक्तिगत रूप से करने की तुलना में एक साथ मिलकर करना बेहतर है। आपसी हित और तालमेल हमें उप–क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और यहां तक घ्कि वैश्विक स्तर पर लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेंगे।"

बंगाल में हर्षोल्लास से मनी महावीर जयंती, ममता और शुभेंदु ने दी शुभकामनाएं

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को जैन धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक महावीर जयंती पूरे धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। यह दिन वर्तमान अवसर्पिणी के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर (सर्वोच्च उपदेशक) महावीर के जन्म का उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। सुश्री बनर्जी ने एक संदेश में कहा, "महावीर जयंती के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। भगवान महावीर की शांति, सत्य और अहिंसा की शिक्षाएं हम सभी को प्रेरित करें।" राज्य सरकार ने महान भगवान महावीर के सम्मान में सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया है। श्री अधिकारी ने एक अलग संदेश में लोगों को महावीर जयंती के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "भगवान महावीर की अहिंसा, करुणा और निस्वार्थता की शाश्वत शिक्षाएं हम सभी का मार्गदर्शन करें और हमें सही मार्ग पर चलने तथा अपने समाज को शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करें।"

सरकार ने 10 प्रमुख परियोजनाओं को दी मंजूरी

24.98 करोड़ से होगा ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार ने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने और संरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 10 महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं वृहद अनुरक्षण कार्यों की पहल की है। ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए हाल ही में संस्कृति विभाग ने 24.98 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के लिए उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को कार्यदायी संस्था के रूप में नामित किया गया है। प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा स्वीकृत इन परियोजनाओं से ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण तो होगा ही साथ ही इन स्थलों के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। इससे प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं का विस्तार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसके अलावा झांसी जनपद ठकुरपुरा की गढ़ी के वृहद अनुरक्षण हेतु 498.96 लाख और डिमरौनी की गढ़ी के लिए 353.69 लाख रुपये। ललितपुर जनपद : लक्ष्मणगढ़ मंदिर, पिपरई के लिए 56.54 लाख रुपये, रणछोर मंदिर,

धोजारी के लिए 29.14 लाख रुपये, मर्दन सिंह की बैठक हेतु 145.57 लाख रुपये और स्थलीय संग्रहालय, ललितपुर के नवीनीकरण के लिए 496.74 लाख रुपये। महोबा जनपदः स्थलीय संग्रहालय का पुनरुद्धार के लिए 496.74 लाख रुपये। लखनऊ जनपद बड़ा शिवाला (श्री सिद्धनाथ मंदिर) के अनुरक्षण के लिए 90.70 लाख रुपये। शामली जनपद प्राचीन गुम्बद, बन्तीखेड़ा के संरक्षण के लिए 170.02 लाख रुपये। फिरोजाबाद जनपद चंद्रवाड़ का किला के वृहद अनुरक्षण कार्य के लिए 160.69 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

लाल किला और जामा मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम रखे जाने की झूठी धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों को गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचकर गहन जांच करनी पड़ी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि लाल किला और जामा मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी वाली कॉल आई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और कॉल को फर्जी बताया गया। अधिकारी ने बताया कि स्मारकों के परिसर में बम होने की सूचना सुबह 9.03 बजे मिली

और टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि बम निरोधक दल और सीआईएसएफ ने कॉल मिलने पर पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं, एक अन्य खबर में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मंगलवार को बिहार में गया जिले के एक जंगल में पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर भाकपा (माओवादी) कार्यकर्ताओं द्वारा छिपाकर रखे गए दो आईईडी बरामद किए। एनआईए को सोमवार को खुफिया जानकारी मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) आतंकवादी संगठन ने गया में लुटुवा क्षेत्र के भुसिया वन क्षेत्र में दो आईईडी छिपाकर रखे हैं। इस आतंकवाद निरोधक एजेंसी ने इस खुफिया सूचना का विश्लेषण करने के बाद एक दल इलाके में भेजा। एनआईए ने एक बयान में कहा कि टीम ने राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ दुर्गम वन क्षेत्र में आईईडी का पता लगाने के लिए सावधानीपूर्वक और सुरक्षित अभियान की योजना बनाई। बयान में कहा गया है कि तलाशी अभियान के दौरान तीन–तीन किलोग्राम के दो आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें कारी पहाड़ी की दो चट्टानों के नीचे नीचे छिपाया गया था।

वाराणसी के बाद कल मध्य प्रदेश भी जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अप्रैल को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे, जहां वे विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी सुबह करीब 11 बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी जाएंगे, जहां वे 3,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे और दोपहर करीब 3:15 बजे ईसागढ़ में गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। शाम करीब 4:15 बजे वे आनंदपुर धाम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी में 3,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। बुनियादी ढांचे के विकास, विशेष रूप से वाराणसी में सड़क संपर्क बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, वह क्षेत्र में विभिन्न सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

अगले दो साल में मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा होगा : गडकरी

बदनावर (धार), एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज मध्यप्रदेश को हजारों करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं की सौगात देते हुए विश्वास जताया कि अगले दो साल में राज्य का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा होगा। श्री गडकरी धार जिले के बदनावर के खेड़ा गांव में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, राज्य सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि किसी भी देश के विकास में चार चीजें अहम हैं, पानी, ऊर्जा, परिवहन सेवाएं और संचार। इनसे रोजगार बढ़ते हैं। डॉ मोहन यादव के हाथों में मध्यप्रदेश को सुखी बनाने का मिशन है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य से जुड़ीं बहुत सी सड़क परियोजनाओं का संदर्भ देते हुए कहा कि अगले दो साल में मध्यप्रदेश का नेशनल हाईवे रोड नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनेगा, इस बात का वे राज्य को विश्वास दिलाना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि वे जो घोषणा करते हैं, वो हवा में नहीं जाती। जो बात वे करेंगे, उसे पूरा करेंगे। श्री गडकरी ने कहा कि आने वाले समय में श्स्मार्ट विलेजश की परिकल्पना को साकार करना है, जिससे किसान धनवान बनें, हर गांव में सड़क बनें। गांवों में रोजगार मिलें। सुविधा मिलें। उन्होंने कहा कि वे वेस्ट बायोमास से डामर बना रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार से अनुरोध किया कि मध्यप्रदेश में इसकी पहल कीजिए। इससे उत्पाद के तौर पर लिग्नल निकलता है। आइल कंपनियां जैसे इथेनॉल खरीदती हैं, वैसे अब इसे खरीदेंगी, इससे किसान समृद्ध होगा। इस तरह किसान अब ईंधन दाता बनेगा। उन्होंने कहा कि देश में अब पराली से ईंधन बन रहा है। श्री गडकरी ने डॉ यादव से अनुरोध किया कि जल जंगल जमीन और जानवर पर आधारित तकनीक का उपयोग करके नये हिंदुस्तान के निर्माण में सहयोग करें।

तहव्वुर राणा को भारत लाने का झूठा श्रेय ले रही है मोदी सरकार : चिदंबरम

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को भारत लाने का श्रेय मोदी

सरकार ले रही है, लेकिन सच यह है कि उसे भारत लाने में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की मेहनत आज रंग लाई है। श्री चिदंबरम ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपियों में से एक राणा को आज भारत लाया गया, लेकिन पूरी कहानी यह है कि मोदी सरकार इस घटनाक्रम का श्रेय लेने के लिए होड़ में लगी है। जबकि सच्चाई उनके दावों से कोसों दूर है।

पटेल ने राजभवन के प्रवेश द्वार एक एवं दो के जीर्णोद्धार एवं सुकृढ़ीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज यहां राजभवन के प्रवेश द्वार एक एवं दो के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का

भूमि–पूजन किया। उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन किया और गेती चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमिपूजन कार्यक्रम राजभवन प्रवेश द्वार एक पर आयोजित किया गया। श्री पटेल ने जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य परियोजना की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। कार्य को समय सीमा में पूर्ण करें। राजभवन के प्रवेश द्वार एक एवं दो के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की कुल लागत 66 लाख 32 हजार 900 रुपये है। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अरविंद पुरोहित, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री अवनीन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री राकेश निगम और एसडीओ एल के गुप्ता, नियंत्रक हाउस होल्ड राजभवन शिल्पी दिवाकर और राजभवन के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।

पहले से बहुत फर्क आया है, पूरे हो रहे हैं टारगेट : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि यमुना की सफाई का काम चल रहा है और सरकार इसे समयबद्ध तरीके से कर रही है। दिल्ली की सीएम ने कहा कि यमुना की सफाई का काम चल रहा है। हम नालों से गाद निकाल रहे हैं, सैकड़ों अधिकारी और बड़ी संख्या में मशीनें जमीन पर काम कर रही हैं। हर जगह काम चल रहा है और सरकार इसे समयबद्ध तरीके से कर रही है। पहले की तुलना में अब बहुत फर्क आया है।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार उत्तम नगर में बाढ़ और सिंचाई विभाग की 50 एकड़ जमीन पर एक पार्क बनाएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने बताया कि 50 एकड़ भूमि (उत्तम नगर में) जो बाढ़ और सिंचाई विभाग की है,

जो इन सभी वर्षों में अतिक्रमण के अधीन थी और जिसका उपयोग नहीं किया जा रहा था – आज हमने फैसला किया है कि इस 50 एकड़ भूमि पर हम एक सुंदर पार्क बनाएंगे।

कहांनी पाठ प्रतियोगता में रेणु मिश्रा अव्वल रहीं

प्रयागराज। लोकरंजन प्रकाशन द्वारा ष्कहांनी वाचनश प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कहानियों का पाठ किया। श्री दिलीप तिवारी और डॉ कंचन सिंह तोमर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रेणु मिश्रा पर ,जय मोहन द्वितीय स्थान पर तथा मिली श्रीवडताव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के संबंध में लोकरंजन प्रकाशन के रंजन पाण्डेय और डॉ आदित्य नारायण सिंह ने बताया कि कहांनी वाचन हमारी संस्कृति का आवश्यक अंग रहा है। बचपन में दादी–नानी की कहानियाँ सुनकर हम बड़े

हुए हैं। आज इस विधा को पुनः लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से ऐसी पहल की गई है। भविष्य में प्रयागराज के विद्यालयों में भी ऐसे कार्यक्रम कराए जाने की योजना है। कार्यक्रम का संचालन रंजन पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन डॉ आदित्य ने किया। कार्यक्रम में लोकरंजन प्रकाशन की पूनम पाण्डेय और विभा सिंह, डॉ प्रदीप चित्रांशी, उमेश श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव,,एस एस मिश्र,एस एन पाण्डेय, विजय, डी डी जोशी, मिली श्रीवास्तव, ब्रह्मानंद मिश्र, अश्विन, हर्षित आदि मौजूद रहे।

नए स्टार्टअप की राह होगी कठिन, दवा और खाद्य वस्तुओं के निर्यात पर असर

प्रयागराज। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई आर्थिक नीतियों से वैश्विक स्तर पर हलचल तेज हो गई है, वहीं भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं रह गया है। ज्वेलरी, गोल्ड, स्टील, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, स्टॉक एक्सचेंज, आयात–निर्यात, सप्लाई चेन, निवेश, भारी–मध्यम और लघु उद्योग पर इसका प्रत्यक्ष असर दिखने भी लगा है। बाजार में लगातार अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। प्रयागराज के व्यापार जगत से जुड़े लोग भी लगातार इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और उनके मन में भी तमाम शंकाएं भी हैं। अमेरिका की नई आर्थिक नीति, टैरिफ दरों में बदलाव, इसका बाजार पर प्रभाव जैसे मुद्दों पर रविवार को शहर के व्यापार जगत से जुड़े लोगों से संवाद किया गया जिसमें शहर के व्यापार जगत के लोगों ने इसे तात्कालिक समस्या मानते हुए हालात पर निगाह रखते हुए प्रतीक्षा करने की जरूरत बताई। लोगों ने कहा कि समय के साथ हालात संभल जाएंगे और भारत पर इसका बहुत असर नहीं पड़ेगा।

अमेरिका की नई आर्थिक नीति कर असर पूरे वैश्विक बाजार पर पड़ रहा है। बदले घटनाक्रम में भारत की स्थिति को काफी बेहतर माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि भारत एक बड़ा बाजार है जिस पर पूरे विश्व की निगाह लगी है। हम इसे एक अवसर के रूप में ले सकते हैं। हमारे पास अन्य देशों की तुलना में अधिक विकल्प भी है, ऐसे में हमें विचलित होने की बजाय प्रतीक्षा करनी होगी। अमेरिका अपने व्यापारिक घाटे को कम करने के लिए टैरिफ वार के रूप में जो अस्त्र लाया है उसका सर्वाधकि प्रभाव उनके खुद के देश पर पड़ेगा, इसकी अधिक संभावना जताई जा रही है। व्यापार जगत के लोगों ने कहा कि आने वाले समय में अमेरिका को मंदी, महंगाई, बेरोजगारी और मुद्रा अवमूल्यन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जबकि भारत अपने बड़े बाजार, संसाधनों, मैन पावर और तमाम विकल्पों के कारण आसानी से इस चुनौती से उबर सकता है और इसे एक अवसर के रूप में लेते हुए विश्व बाजार में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करा सकता है। बाजार से सीधे जुड़े जानकार लोग यह मानते है कि चूंकि यह एक वैश्विक समस्या है लिहाजा भारत पर इसका कुछ न कुछ प्रभाव पड़ना तय है। अब यह प्रभाव कहां और कितना पड़ेगा, इसके लिए पैनी निगाह रखते हुए प्रतीक्षा करनी ही होगी तभी स्थितयां स्पष्ट हो पाएंगी। आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी नीति में क्या परिवर्तन करता है और भारत का उस पर क्या रुख रहेगा, यह स्पष्ट होने के बाद स्थिति साफ हो पाएगी। तब तक भारतीय बाजार में अस्थिरता एवं असमंजस के हालात बने रहेंगे, ऐसी संभावना लोग जता रहे हैं।

भारत एक बड़ा बाजार, पूरे विश्व की इस पर नजर रू

व्यापार जगत के जानकारों का मानना है कि भारत एक बड़ा बाजार है जिसकी अहमियत को आज विश्व में कोई नहीं नकार सकता। भारतीय बाजार पर चीन सहित पूरे विश्व की निगाह लगी हुई है। अमेरिका भी भारत के महत्व को समझ रहा हैं और उसी का नतीजा है कि जहां उसने अन्य देशों पर टैरिफ की दरों में भारी इजाफा किया है वहीं भारत को काफी रियायत दी है। व्यापार जगत के लोग मानकर चल रहे हैं कि भारत में संसाधन, अवसर और प्रतिभाओं की कमी नहीं है। तमाम मुल्क भारत के साथ व्यापार करने के इच्छुक हैं और हमारे पास तमाम विकल्प खुले हुए हैं। ऐसे में हमें डरने और मायूस होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

ऑनलाइन व्यापार की नीतियों की करनी होगी समीक्षा रू

ऑनलाइन व्यापार ने भारतीय घरेलू व्यापार को काफी प्रभावित किया है। व्यापारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में ऑनलाइन व्यापार बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ सकता है लिहाजा इसकी व्यापक समीक्षा कर नीति बनानी पड़ेगी। ऑनलाइन व्यापार को बढ़ावा देने से छोटे व्यापारियों के सामने संकट आ गया है। देश का पैसा देश में रहे और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा हो सके इसके लिए ऑनलाइन व्यापार को बढ़ावा देने की बजाय इस पर नकेल कसनी होगी।

फॉर्मा सेक्टर पर पड़ सकता है ज्यादा असर

अमेरिका के अपने यहां आयात किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों पर टैरिफ की दर में

भारी भरकम इजाफा करने के बाद जहां वैश्विक स्तर पर भारी उथल पुथल मची है, वहीं फॉर्मा सेक्टर पर अब तक स्थिति स्पष्ट न होने जाने के कारण भारतीय फॉर्मा जगत में उहापोह की स्थिति बनी हुई है। चूंकि भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा निर्यातक है और अमेरिका को बड़े पैमाने पर दवा का निर्यात करता है, लिहाजा इस पर अमेरिका का क्या रुख रहेगा, इसकी स्थिति स्पष्ट न होने तक फॉर्मा उद्योग में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। लोग यह भी मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में इस सेक्टर को भी भारी टैरिफ का बोझ झेलना पड़ सकता है जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय दवा उत्पादों के दामों में बढ़ोतरी होगी और इसका असर भारतीय कंपनियों की उत्पादन क्षमता पर भी पड़ेगा। इन्हीं आशंकाओं के चलते पिछले कुछ दिनों में दवा कंपनियों के शेयर के दाम तेजी से गिरे हैं। शेयर बाजार से जुड़े जानकारों के मुताबिक दवा कंपनियों के शेयर के दाम में पिछले कुछ दिनों में छह से दस प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में इसमें और गिरावट आ सकती है।

प्रयागराज के तीन सेक्टर में प्रभाव पड़ेगा। सबसे ज्यादा फूड और सब्जियों से जुड़ी चीजों के निर्यात पर पड़ेगा। हालांकि इसका फायदा भी है। दूसरा विकल्प ये है कि प्रधानमंत्री जिन देशों से व्यापार बढ़ाने के लिए यात्रा कर रहे हैं, हम उन्हीं देशों में व्यापार बढ़ाए। ऐसा नहीं है कि सिर्फ अमेरिका में सप्लाई से ही बिजनेस चलेगा। विकल्पों पर विचार करने का समय आ गया है।–– जीएस दरबारी, संरक्षक, ईस्टर्न यूपी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

टैरिफ को लेकर बहुत सी खबरें आ रही हैं। सरकार ने अपना पक्ष रखा है। अभी तक यह हमारे हित में बताया जा रहा है। अमेरिका ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर भी हमसे ज्यादा टैरिफ लगाया है, लेकिन सप्लाई के लिए जो पाइपलाइन में सामान हैं, उस पर सीधे असर पड़ेगा। वहीं सामान अमेरिका में बनेगा तो वे हमारा क्यों खरीदेंगे। हालांकि अभी सब कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है।––विनय टंडन, अध्यक्ष, ईस्टर्न यूपी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

अमेरिका की नई टैरिफ नीति से ट्रेड वार छिड़ गया है। अमेरिका ने चीन पर लगाया तो चीन ने अमेरिका पर ट्रैफिक बढ़ा दिया। इस तरह से अमेरिका के साथ खतरनाक स्थिति आने की संभावना है। यही हाल तो मंदी का दौर शुरू हो जाएगा। प्रयागराज में जो एक्सपोर्ट की यूनिट हैं, वे सीधे प्रभावित हो रही हैं। हालांकि इससे भारत के अलावा अमेरिका भी प्रभावित होगा।––राजीव, नैयर उद्यमी

अमेरिका की ट्रैफिक प्लान से व्यापार पर सीधा असर पड़ेगा। अभी तक 10 प्रतिशत तक ट्रैफिक था, जो बढ़ाकर 3 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इससे 26 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। अचानक से इतनी वृद्धि होने से नए स्टार्टअप के लिए परेशानी बढ़ेगी। हालांकि अभी अमेरिका ट्रैरिफ प्लान की समीक्षा करेगा। इसके बाद ही स्पष्ट होगा कि कहां कितना फायदा या नुकसान हो रहा है।––अली इमाम अंसारी, उद्यमी

––व्यापारी बोले–––

अमेरिकी टैरिफ का भारत पर इतना असर नहीं पड़ेगा। आयात–निर्यात के क्षेत्र में भारत के पास तमाम अवसर हैं। विदेशी कंपनियां भारत के बाजार की ओर देख रही हैं। अमेरिका के टैरिफ लगाए जाने का उद्देश्य अभी स्पष्ट नहीं है। आने वाले समय में यह स्पष्ट हो सकेगा।––धनंजय सिंह, अध्यक्ष, मुंडेरा व्यापार मंडल अध्यक्ष

कई सेक्टरों में टैरिफ अभी निर्धारित नहीं हुआ है। आगे के दिनों में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस टैरिफ से अमेरिका में महंगाई बढ़ने की संभावना है। वहां इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत पर इसका कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है।––राणा चावला, अध्यक्ष, प्रयाग व्यापार मंडल

टैरिफ से कच्चे तेल के बाजार पर असर देखने को मिला है। फॉर्मा के क्षेत्र में गिरावट की संभावना है। विश्व में टैरिफ का असर देखने को मिल सकता है। भारत को उत्पादों के निर्माण पर और अधिक ध्यान देना होगा। देश को आत्मनिर्भर बनाना है।–महेंद्र गोयल, प्रदेश अध्यक्ष, कैट

ट्रंप की नई ट्रैरिफ नीति का अमेरिका पर अधिक असर पड़ने की संभावना है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हैं और जो भी दवाएं दूसरे देशों से मंगाई जाती हैं, महंगी हो जाएगी। भारत पर इसका असर पड़ता नहीं दिख रहा है।––विपिन गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, ऑल इंडिया मोबाइल डीलर्स एसोसिएशन

अमेरिका जितना भारत से आयात करता है, उससे कहीं ज्यादा अमेरिका भारत को निर्यात करता है। अब ट्रैरिफ वॉर के चलते अमेरिकी निर्यात पर अधिक असर पड़ेगा जिसका परिणाम उन्हें मंदी के रूप में देखने को मिलेगा।––सतीश केसरवानी, अध्यक्ष, इलाहाबाद गल्ला तिलहन व्यापार मंडल

टैरिफ को लेकर भारत को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। भारत निर्यातक देश है। अगर अमेरिका के साथ हमारा निर्यात घटता है तो दुनिया के दूसरे देशों के साथ हम व्यापार बढ़ा सकते हैंञ इसलिए भारत पर खास असर नहीं पड़ने वाला है।––राजेश केसरवानी व्यापारी

भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और आगे बढ़ता रहेगा। अनेक देश भारत के बाजार में आकर व्यापार करना चाह रहे हैं। नई ट्रैरिफ नीति से आने वाले समय में सबसे अधिक नुकसान खुद अमेरिका को होगा।–अजय जायसवाल, अध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल फाफामऊ

ट्रंप की ट्रैरिक का खामियाजा अमेरिका की अर्थव्यवस्था को ही उठाना पड़ा। वहां अभी से लोग मंदी की आशंका जता रहे हैं। भारत के संसाधन और मैन पावर दोनों हैं। हमारे पास दूसरे देशों से व्यापार के तमाम विकल्प खुले हुए हैं।–मनीष वार्ष्णेय, मंत्री, वनस्पति खाद्य एसोसिएशन

अमेरिका स्वयं इस टैरिफ नीति को लेकर भ्रमित और आशंकित है। ट्रंप ने अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए एक प्रयोग किया है। फिलहाल भारत के पास आयात और निर्यात दोनों के ही विकल्प खुले हैं। प्रतिस्पर्धा में व्यापार निखरता है।–सुशील खरबंदा, अध्यक्ष, सिविल लाइंस व्यापार मंडल

अन्य देशों की तुलना भारत पर कम टैरिफ लगा है। इसका भारत को लाभ होगा। जिन देशों पर अधिक टैरिफ लगाए गए हैं वह भारत की ओर आएंगे। अनेक विदेशी कंपनियां भारत में आकर व्यापार करना चाह रही हैं। भारत में निवेश बढ़ेगा।–आशीष अरोरा, व्यापारी

अमेरिका की नई टैरिफ नीति को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। भारत दुनिया का बहुत बड़ा बाजार है। तमाम देश चाहते हैं कि उन्हें भारत का बाजार मिले। एक जाएगा को दूसरे तमाम देश भारत आएंगे व्यापार करने।––मो. कादिर, प्रदेश उपाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ (आप)

चीन ने इस टैरिफ का विरोध किया है और अमेरिका की जुबान में उसे जवाब दिया है। रही भारत की बात तो अपने देश पर इसका बहुत असर नहीं पड़ने वाला है। हमें सरकार पर पूरा विश्वास है कि वह इसे लेकर ठोस कदम उठाएगी।––प्रमिल केसरवानी, प्रदेश महामंत्री, व्यापारी एकता समिति

हमारा देश स्वयं अनेक उत्पादों को बना रहा है। भारत अनेक क्षेत्रों में बहुत मजबूत स्थिति में है। ट्रंप के रिसिप्रोकल टैरिफ का भारत पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। बस हमें हालात पर नजर रखते हुए थोड़ा इंतजार करना होगा।––हर्षित अग्रवाल, व्यापारी

ऑनलाइन बाजार पर भी देश और सरकार को ध्यान देना होगा। विदेशी ऑनलाइन कंपनियों पर अंकुश लगाने की जरूरत है। हमारे छोटे और मझोले व्यापारी देश की रीढ़ हैं, ऑनलाइन कारोबार उन्हें अजगर की तरह निगल रहा है। ––शेख दावर वकील, व्यापारी

ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर बहुत अधिक चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। अन्य देशों की तुलना भारत पर कम टैरिफ लगा है। इसका कहीं न कहीं भारत को लाभ मिलेगा। दूसरे देश अब भारत के साथ व्यापार बढ़ाएंगे और निवेश करेंगे।––लालू मित्तल, जिलाध्यक्ष, अखिल भारतीय व्यापार मंडल

भारत आज मजबूत स्थिति में है, हमारे पास साउथ अफ्रीका और यूरोप के अन्य मुल्कों के साथ कारोबार का खुला विकल्प है। पूरे विश्व में भारतीय उत्पादों की बेहद मांग है। हमें हताश और परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है।––रवि शर्मा, व्यापारी

हमारे यहां मैन पावर सस्ता एवं सुलभ है लिहाजा अमेरिका सहित अन्य देश यहां का रुख करेंगे जिससे देश की अर्थ व्यवस्था को गति मिल सकेगी। उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। टैरिफ का असर भारत पर कम पड़ेगा।––सौरभ अग्रवाल, व्यापारी

भारत की अर्थव्यवस्था पर नई टैरिफ नीति का व्यापक असर पड़ेगा यह कहना जल्दबाजी होगी। भारत ने अभी अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। स्थिति पर नजर रखते हुए प्रतीक्षा करनी होगी। कुछ दिनों में सब साफ हो जाएगा।––आवंतिका टंडन, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ व्यापार मंडलजा नहीं हटा तो वह राजपथ पर आत्मदाह कर लेंगे। पूजा ने यह वीडियो प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ट्वीट कर दिया। इसके बाद एसडीएम सदर व सीओ सरधना नायब तसीलदार सहित तमाम के अधिकारी पूठरी दौड़े। उधर,पुलिस पूजा व पिता को दिल्ली से लेकर थाने पहुंची। अधिकारियों ने जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

प्लाइवुड गोदाम में आग से लाखों का नुकसान

प्रयागराज। यमुनानगर जोन के दांदूपुर गांव में बुधवार की देर रात प्लाइवुड गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई। घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों के साथ पहुंची टीम ने लगभग एक घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक लाखों रुपये मूल्य की प्लाइवुड जलकर राख हो गई। करेली निवासी मोहम्मद कासिब का दांदूपुर गांव में प्लाइवुड का गोदाम है। गोदाम से बुधवार की रात अचानक आग की लपटें व धुआं निकलने से आसपास के लोगों में खलबली मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और गोदाम मालिक को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की सिविल लाइंस व नैनी से दो–दो दमकल और बारा से एक दमकल की गाड़ी के साथ टीम पहुंची। अथक प्रयास कर आग पर काबू पाया गया। आग लगने से लगभग 15 से 20 लाख रुपए की प्लाइवुड जलने की आशंका व्यक्त की गई है। सीएफओ डॉ. आरके पांडेय ने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझा दी है। आग से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

निहारिका वेंचर्स कंपनी पर 30 लाख के धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। निहारिका वेंचर्स कंपनी ने रियल एस्टेट में निवेश के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की। अब पीड़ितों की ओर से कंपनी के मालिकों और एजेंटों के खिलाफ लगातार मुकदमें दर्ज हो रहे है। झलवा की सुमन सिंह ने को कंपनी पर 30 लाख रुपए की ठगी का आरोप लगाते हुए बुधवार को सिविल लाइंस थाने में नामजद एफआईआर दर्ज करवाई है। देवघाट झलवा निवासी ज्योति कुमार सिंह की पत्नी सुमन सिंह की तहरीर के अनुसार, वर्ष 2021 में अयोध्या निवासी अन्वेश मिश्रा और नरेंद्र सिंह नेगी ने खुद को निहारिका वेंचर्स कंपनी का एजेंट बताते हुए संपर्क किया। दोनों के कहने पर सिविल लाइंस स्थित कंपनी के कार्यालय गई। जहां कंपनी के मालिक अभिषेक द्विवेदी, उनका पिता सेवानिवृत्त डिप्टी सीएमओ डॉ. ओपी द्विवेदी, पत्नी निहारिका द्विवेदी और सास निरूपमा मिश्रा मिले। सभी ने कंपनी में निवेश करने पर हर महीने छह फीसदी लाभ मिलने का स्कीम बताया। उन्होंने सरस्वती हाईटेक सिटी के समीप कंपनी के 50 एकड़ जमीन होने का दावा किया। सुमन सिंह ने विश्वास कर 30 लाख रुपए निवेश कर दिया। इसके बदले में आरोपियों ने 30 लाख रुपए का चेक दिया, जो बाद में फर्जी हस्ताक्षर की साबित हुई। सुमन सिंह ने बताया कि न तो कंपनी की ओर से कोई लाभ दिया गया और न ही रुपए वापस किए गए।

खीरी में यूपी-एमपी बॉर्डर पर जमीन के विवाद में अधेड़ की गोली मारकर हत्या, सीमा विवाद में उलझी पुलिस

प्रयागराज। यूपी और एमपी राज्य की सीमा पर खीरी थाना क्षेत्र से सटे एक गांव में बुधवार की देर रात एक अधेड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग निकला। घायल अवस्था में चंद्रकांत (52) को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस सीमा विवाद में उलझी रही। खीरी थाना क्षेत्र से सटे उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित एक खेत में बुधवार देर रात 52 साल के चंद्रकांत मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि जमीन के विवाद में गांव के बलवीर सिंह नाम के व्यक्ति ने घटना अंजाम दी और भाग निकला। घायल को एसआरएन अस्पताल भेजा गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। फिलहाल देर तक यह नहीं स्पष्ट हो सका कि घटनास्थल यूपी में है या एमपी जनपद में आता है। चंद्रकांत मध्य प्रदेश के चाकघाट थाना क्षेत्र स्थित कुड़री गांव के रहने वाले थे। यह गांव उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित है जिसमें एक तरफ कुड़री तो दूसरी तरफ खीरी थाना क्षेत्र का बहरइचा गांव है। दोनों पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात 12रू00 के करीब चंद्रकांत खेत में गेहूं की मड़ाई करा रहे थे। इसी दौरान वहां पर बलवीर पहुंच गया और फिर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान चंद्रकांत को गोली मार दी गई। वह लहूलुहान होकर गिरे तो हमलावर भाग निकला। उधर गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर परिजन पहुंचे और फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई जहां से उसे रेफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस उसे लेकर एसआरएन अस्पताल के लिए चल दी, पर वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र ने बताया कि अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि घटनास्थल खीरी थाना क्षेत्र में है या यह एमपी के चाकघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दोनों राज्यों की पुलिस मौके पर मौजूद है और राजस्व कर्मियों को भी बुलवाया गया है। घटनास्थल खीरी थाना क्षेत्र में हुआ तो रिपोर्ट पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

टीटीई की पिटाई करने वाले रेलकर्मियों पर लटकी निलंबन की तलवार, रेलवे बोर्ड तक पहुंचा मामला

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर टीटीई की पिटाई के मामले में मामला रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया है। ट्रेन मैनेजरों पर टीटीई की पिटाई का आरोप लगा है। आरोपियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारी जांच में जुट गए हैं। मुंबई–प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस में बीते मंगलवार को टीटीई और ट्रेन मैनेजर के बीच हुई मारपीट का मामला रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया है। वहीं, मामले में दोषी रेलकर्मियों का निलंबन भी हो सकता है। हालांकि विभागीय जांच शुरू होने के साथ ही इस प्रकरण का एक और वीडियो बुधवार को सामने आया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दुरंतो एक्सप्रेस के ट्रेन मैनेजर केबिन का है। इस वीडियो में ट्रेन मैनेजर और टीटीई के बीच तीखी बहस हो रही है। मौके पर आरपीएफ का एक कर्मी भी ट्रेन मैनेजर व टीटीई को समझाने का प्रयास कर रहा है। वहीं, ट्रेन मैनेजर महेंद्र यादव ने टीटीई एमके पोद्दार के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। पत्र में लिखा कि चार दिन पहले वह ट्रेन लेकर कानपुर गए थे। वहां से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और फिर वह सतना गए। लगातार 60 घंटे की ड्यूटी के बाद उन्हें प्रयागराज बुलाया गया। पश्चिम मध्य रेलवे के सतना स्टेशन स्थित लॉबी को इसकी सूचना दी गई। वहां पर महेंद्र की जांच हुई और मेमो देकर प्रयागराज भेजा गया। इसी दौरान सतना से दुरंतो आ रही थी। इस दौरान महेंद्र मेमो लेकर दुरंतो के ट्रेन मैनेजर जगदीश से मिले और ट्रेन में बैठ गए। महेंद्र का आरोप है कि इसी दौरान काली बनियान पहनकर एक व्यक्ति पहुंचा और टिकट मांगने लगा। महेंद्र ने कहा कि उसके पास मेमो है और वह स्पेयर में जा रहे हैं। टीटीई ने इसपर 10 हजार रुपये जुर्माना देने को कहा। इस दौरान दोनों में झड़प हो गई। आरोप है कि महेंद्र को पैंट्री कार में ले जाने की कोशिश की गई। इस आपाधापी में महेंद्र गिर भी गए और उनके हाथ में चोट लग गई। इसके बाद ट्रेन में ही टीटीई और ट्रेन मैनेजर महेंद्र के बीच मारपीट होने लगी। झड़प में टीटीई के कपड़े भी फट गए। इसकी सूचना आरपीएफ मानिकपुर को मिली तो ट्रेन को वहां अटेंड किया गया। तब तक प्रयागराज जंक्शन पर भी यह सूचना पहुंच गई। ट्रेन मैनेजर से हुई अभद्रता को लेकर काफी संख्या में सहयोगी जंक्शन के प्लेटफॉर्म दो–तीन पर ही एकत्र हो गए। जब दुरंतो प्रयागराज पहुंची तो यहां प्लेटफॉर्म पर मौजूद रेलकर्मियों ने टीटीई को घेर लिया। कुछ ने टीटीई को मारा भी। वहीं, टीटीई ने ट्रेन मैनेजर महेंद्र और जगदीश के खिलाफ शिकायत की है।

देश में दूसरे स्थान पर है फाफामऊ का मेडिकल कॉलेज

प्रयागराज। स्वास्थ्य सेवा में होम्योपैथी के योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य के से गुरुवार को विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर होम्योपैथी के प्रणेता डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन को उनकी जयंती पर स्मरण किया जाएगा। चिकित्सा जगत में इलाज की अनेक विधाएं प्रचलित हैं, जिसमें होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति काफी महत्वपूर्ण है। होमियोपैथी कई बीमारियों में इतना कारगर सिद्ध हो रही है कि यह केवल चिकित्सा पद्धति नहीं बल्कि लोगों के जीवनशैली का एक हिस्सा भी बन रही है। प्रयागराज न केवल एलोपैथिक, आयुर्वेदिक बल्कि होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा और इलाज को प्रमुख केंद्र हैं। होम्योपैथी चिकित्सा, शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में फाफामऊ स्थित राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल देश के महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थानों में से है। यहां तक कि इलाज के मामले में इस कॉलेज का देश में दूसरा स्थान है।

पर्यटकों को पूरे साल मिलेंगे गाइड

प्रयागराज। महाकुम्भ के बाद प्रयागराज में स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए पर्यटन विभाग ने पहल की है। विभाग की ओर से यहां के धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व के स्थलों पर भ्रमण के लिए देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों को गाइड की सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए मेला अवधि में प्रशिक्षित किए गए करीब एक हजार गाइडों में से करीब सौ को विभाग अपने साथ जोड़ेगा। पर्यटकों को प्रयागराज में यह सुविधा जुलाई से शुरू की जाएगी। इसके लिए विभाग ने अभी तक 35 गाइडों को चयनित किया है। जबकि बाकी का चयन एक सप्ताह के भीतर कर लिया जाएगा। सभी चयनित गाइडों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें पर्यटकों के यहां आने पर गाइडों के जरिए उनसे किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा ना किया जा सके। खास बात है कि गाइडों का नाम उनका मोबाइल नंबर, घर का पता व उनकी फोटो विभाग की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। पर्यटक जब वेबसाइट के जरिए होटल की बुकिंग करेंगे तो उस पर गाइडों का पूरा ब्योरा भी उनको दिखेगा। प्रत्येक गाइड को एक विशेष प्रकार का कोड भी दिया जाएगा। जहां से कोई भी पर्यटक गाइड को अपने साथ जोड़ सकता है। इतना ही नहीं, गाइडों की निगरानी क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय और लखनऊ मुख्यालय से की जाएगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप वर्ष पर्यंत गाइडों की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य चल रहा है। इससे पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

सक्रिय सदस्य सम्मेलन को संबोधित कर मंत्री कपिल देव ने मोदी जी के 'विकसित भारत' संकल्प को दोहराया

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने व संगठन की भूमिका के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से कल (बुधवार) जानसठ रोड स्थित आशीर्वाद बैंकट हॉल में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में नगर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने पिछले 11 वर्षों में भारत ने किस प्रकार विकास के लिए अहम कदम उठाए हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि पर कितना प्रभाव पड़ा, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के विकास के लिए क्या–क्या योजनाएं लागू कर रहे हैं या की जा चुकी हैं, इन सभी बातों पर चर्चा की।

मंत्री कपिल देव ने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ळल।छ दृ गरीब, युवा, अन्नदाता किसान और नारी सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी की पार्टी की संगठनात्मक मजबूती को नए आयाम देकर आगामी चुनावों की रणनीति और सरकार की योजना तक सभी पात्रों की पहुंच सुनिश्चित करने पर काम करना है। इसके साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को दोहराया और कहा कि मजबूत अर्थनीति के चलते भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कपिल देव ने कहा कि हम सभी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता हैं और जब एक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से काम करता है, तो संगठन स्वयं मजबूत हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को जन–जन तक पहुँचाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है। हर कार्यकर्ता हमारे लिए एक जनसंपर्क का मजबूत माध्यम है, और उनकी मेहनत से ही संगठन जन आकांक्षाओं पर खरा उतरता है।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जिला उपाध्यक्ष शरद शर्मा, मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर पाल, दीपक मित्तल, पंकज माहेश्वरी, अमित शास्त्री, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष आंचल तोमर, जिला मंत्री सुधीर खटीक, सुनील दर्शन, क्षेत्रीय मंत्री पुरुषोत्तम, पूर्व चेयरमैन डॉ. सुभाष शर्मा, पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, देवव्रत त्यागी, हरेंद्र पाल, पंकज भटनागर, रोहताश पाल, मनुप्रिय मजदूर, राधे वर्मा, कंवरपाल वर्मा, संजय मित्तल, पवन छाबड़ा, कमलकांत कश्यप, सागर वाल्मीकि, देशबंधु तोमर, सचिन प्रजापति, श्रीमोहन तायल, जगदीश पांचाल, राजीव गर्ग, कैप्टन प्रवीण, सचिन सिंघल, प्रवीण वर्मा, तेजपाल गुर्जर, हरीश अहलावत, आशुतोष वर्मा, नीरज गौतम, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा कविता सैनी, ममता अग्रवाल, दुलारी मित्तल, सीमा सैनी, सरिता गौड़, सभासद रजत धीमान, हनी पाल, सुशील गर्ग, रवि चौधरी, अजय सागर, विशाल खोकर आदि पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

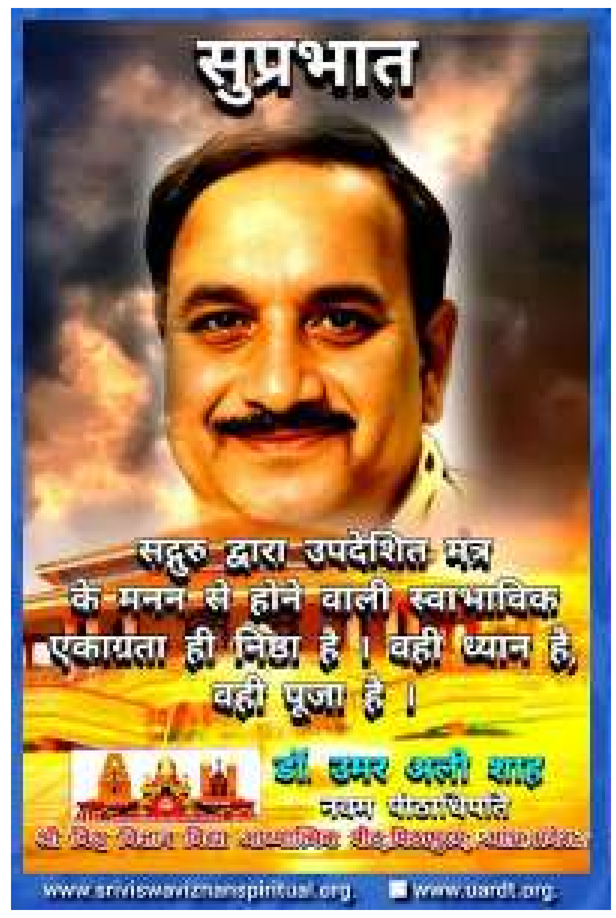

फल उसको राजा कहें

(कुण्डलिया)

गर्मी सहकर जो करे,सदा लोकहित काम।
फल उसको राजा कहें,दुनिया कहती आम।
दुनिया कहती आम,अकेला फल है ऐसा।
पका हुआ वरदान,टिकोरा तक दे पैसा।
खाकर इसे प्रदीप, पहन कर पीली वर्दी।
घर–घर भरे मिठास, दूर कर श्मैंश की गर्मी।।

साधारण से आम के, हैं बहुतेरे काम।
पना,शेक अरु आमरस, धरे अमावट नाम।
धरे अमावट नाम, घरों की शोभा बनकर।
चटनी और अचार,स्वाद लाते हैं जमकर।
खाकर इसे प्रदीप, करें जब इसका चित्रण।
राजा–सा हैं खास, कहो मत फल साधारण। ।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अतुलित बल के स्वामी हैं बजरंगबली: नरहरी दास

मोरना। श्री हनुमत चरित्र चिंतन कथा के तीसरे दिन कथा व्यास नर हरिदास महाराज ने कहा कि श्री हनुमान के परम पराक्रमी सेवा मूर्ति स्वरूप से तो सभी परिचित हैं लेकिन वह ज्ञानियों में भी अग्रगण्य हैं। वह अतुलित बल के स्वामी हैं। उनके

अंग वज्र के समान कठोर एवं शक्तिशाली हैं। उन्हें 'वज्रांग' नाम दिया गया जो आम बोलचाल में 'बजरंग' बन गया। बजरंग बली केवल गदाधारी महाबलि ही नहीं बल्कि विलक्षण और बहुआयामी मानसिक और प्रखर बौद्धिक गुणों के अद्भुत धनी भी हैं। राम काज अर्थात अच्छे कार्य के लिए वह सदैव तत्पर रहते थे। वह राम सेवा अर्थात सात्विक सेवा के शिखर पुरुष ही नहीं थे बल्कि अनंत आयामी व्यक्तित्व विकास का महाआकाश है। कथा में महामंडलेश्वर केशवानंद सरस्वती महाराज, महंत गीतानंद तीर्थ महाराज, स्वामी महेशानंद महाराज, स्वामी गीतानंद महाराज, प्रबंधक स्वामी आनन्द स्वरूपानन्द सरस्वती, स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती आदि के अलावा देश भर से आए अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

महिलाएं बन सकती हैं नजीर, उद्यमिता के हुनर को अपनाकर: डॉक्टर स्वाति दीपक दुबे

प्रयागराज। सीएमपी कॉलेज के जंतु विज्ञान विभाग तथा आईआईसी, सीएमपी कॉलेज प्रयागराज के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 9 अप्रैल 2025 को एक दिवस प्रशिक्षण कम कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ! यह कार्यशाला स्वयं सहायता समूह के बीच उद्धमिता के निर्माण व सुदृढता पर आधारित थी! इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत डॉक्टर विनीता जयसवाल, संयोजिका, जन्तु विज्ञान विभाग ने किया। कार्यशाला में संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रोफेसर अर्चना पांडे ने आविष्कार और नवाचार के अंतर को बताने के साथ–साथ संस्था इनोवेशन सेल के विषय में संपूर्ण जानकारी दी! कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉक्टर स्वाति दीपक दुबे, एसएमएस केवी के ,काला काकड़ , प्रतापगढ़ में अपने उद्बोधन में बताया कि किसी भी काम को अगर सच्चे मन से किया जाए तो रास्ते खुद मिलने लगते हैं! यहां काला काकड़ की महिलाओं ने सिद्ध कर दिया है की कोई भी कम छोटा या बड़ा नहीं होता बस काम करने

तथा सिखने का गुण होना चाहिए ! आज महिला समूह के माध्यम से अपने बने हुए उत्पादों को बेचकर यह महिलाएं आय अर्जित कर एक सफल उद्यमी बन रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा श्रोत बन रही हैं! डॉ. स्वाति ने कॉपीराइट , पेटेंट क्यूआर कोड और स्वयं सहायता समूह के बारे में भी पूरी जानकारी दी ।इस कार्यशाला में काला काकड़ से आई एक स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती शीलू ने अपने समूह द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शिनी भी जंतु विज्ञान विभाग में लगाई! इस कार्यशाला में डॉक्टर सुधि श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता का, डॉक्टर चारू त्रिपाठी ने प्रोफेसर अर्चना पांडे का , कुमारी गरिमा गुप्ता ने डॉक्टर विनीता जयसवाल जी का, कुमारी रूपल ने आईआईसी की सहसंयोजक डॉक्टर हिमानी चौरसिया का तथा श्रीमती शीलू का स्वागत कुमारी प्रियंका ने किया।

इस कर्यशाला में सरस्वती वंदना कुमारी अर्पिता तथा कुमारी लवी ने प्रस्तुत की ! कार्यशाला में मुख्य वक्ता का परिचय डॉक्टर निधि त्रिपाठी ने दिया ! इस प्रशिक्षण कम कार्यशाला की संयोजिका डॉक्टर हेमलता पंत ने संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्योति वर्मा ने किया ! इस कार्यक्रम में डॉक्टर मनोज जायसवाल, डॉक्टर आशीष कुमार मिश्रा , डॉक्टर विनय कुमार सिंह, डॉक्टर अजीत कुमार सिंह, डॉक्टर अनुराधा साहित सौ विद्यार्थीयों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में आदित्य शर्मा, अनुराधा यादव, निधि गुप्ता, शिमोनी शिंघल, कुमारी प्रिया राज का विशेष सहयोग रहा।

शुकतीर्थ मे आएंगे प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष

मोरना। आज शुक्रवार को प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष शुकतीर्थ के हनुमंत धाम मे आयोजित संत सम्मेलन मे भाग लेगे। कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को शुकतीर्थ मे साफ सफाई अभियान चलाया गया। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे स्थित हनुमंतधाम मे हनुमान जयंती समारोह आयोजित किया जा रहा है। शुक्रवार को संत सम्मेलन कार्यक्रम मे प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भाग लेगे ।विधानसभा अध्यक्ष के आगमन की तैयारियों को लेकर गुरुवार को अधिकारियो ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी नरेन्द्र बहादुर, उपजिलाधिकारी जयेंन्द्र सिंह ने हनुमतधाम जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही शुकतीर्थ का भृमण कर स्थलीय निरिक्षण किया।

पुण्य सफल होने पर ही श्रीमद्भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है: चंद्रकांत शास्त्री

मथुरा। कस्बा बलदेव स्थित सराय मोहल्ला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में व्यास पीठ से प्रवचन करते हुए श्रीमदभागवत वक्ता चंद्रकांत शास्त्री ने कहा कि पुण्य सफल होने पर ही श्रीमद् भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है। श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करने से सभी पुण्य सफल होते हैं और पाप नष्ट हो जाते है, उन्होंने कहा कि सभी को अपने जीवन में किसी भी अनेकानेक नेक कार्य पूरी लगन और मन से

करना चाहिए जिससे खुद का मन प्रफुल्लित हो और मोक्ष की प्राप्ति हो। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिन कथा वाचक चंद्रकांत शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन उनकी लीलाओं और भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं,गोवर्धन महिमा और रासलीला का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का जीवन हमें धर्म, भक्ति और समर्पण की शिक्षा देता है। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण ने अपने कार्यों से मानवता को सही मार्ग दिखाया और सिखाया कि मनुष्य को अपने सामर्थ्य के अनुसार भक्ति करनी चाहिए और अपने आराध्य की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भक्त सच्चे भाव से अपने आराध्य की भक्ति करता है, तो भगवान स्वयं उसकी रक्षा करते हैं। श्रीकृष्ण ने सदैव अधर्म का नाश किया और धर्म की स्थापना की। उनके जीवन से हमें प्रेम, करुणा,त्याग और परोपकार की सीख मिलती है। स्थानीय शिक्षाविद डा.जगदीश पाठक,युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने भागवत वक्ता चंद्रकांत शास्त्री जी का सम्मान किया। इस अवसर पर परीक्षित गोपाल प्रसाद सैनी, अंगूरी देवी, विष्णु सैनी,बबलू सैनी,लक्ष्मण सैनी,कन्हैया सैनी,समित सैनी,शिवम सैनी, कान्हा सैनी,नैतिक सैनी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राजकीय पुस्तकालय परिसर, मुजफ्फरनगर में गर्मी के मौसम के दृष्टिगत आर ओ वाटर कूलर का लोकार्पण

जनपद की प्रतिष्ठित साहित्यकार श्रीमती विजया गुप्ता द्वारा अपनी बड़ी बहन साहित्यकार स्व. मीरा भटनागर की पुण्य स्मृति में एक आर ओ वाटर कूलर राजकीय पुस्तकालय मुजफ्फरनगर को किया गया भेंट

मुजफ्फरनगर। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधालय निरीक्षक श्री राजेश श्रीवास द्वारा साहित्यकार श्रीमती विजया गुप्ता को शॉल ओढ़ाकर और पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया और उनका इस नेक कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बाल कल्याण समिति के सदस्य डॉ राजीव कुमार और वरिष्ठ साहित्यकार और समाजसेवी श्री कीर्तिवर्धन अग्रवाल द्वारा इस सामाजिक कार्य के लिये श्रीमती विजया गुप्ता को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

पुस्तकालय अधीक्षक डॉ रणवीर सिंह ने कहा कि अन्य व्यक्तियों को भी इस कार्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने भी श्रीमती विजया गुप्ता का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में जिला समन्वयक श्री आशीष द्विवेदी, अजय कुमार, अमित कुमार, विनोद कुमार, सुशील वर्मा, कपिल कुमार, अनिल कुमार, बालेंद्र सिंह, प्रदीप शर्मा, संजीव सिंह एवम अविनाश कुमार की उपस्थिति रही। उक्त आर ओ वाटर कूलर से राजकीय पुस्तकालय में आने वालेध्पढ़ने वाले एवम आम जन लाभान्वित होंगे। पुस्तकालय अधीक्षक डॉ रणवीर सिंह राजकीय पुस्तकालय के विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत हैं।

बिजलीघर मे घुसकर गुंडों ने संविदा कर्मी के साथ की मारपीट

भोपा। भोपा के बिजलीघर मे घुसकर दो गुंडो ने गाली गलौज कर जमकर उत्पात मचाया तथा वहां तैनात कर्मचारी के साथ मारपीट कर जरूरी सरकारी कागजात फाड़ दिये ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को पकड़ कर थाने पहुँचाया ।पीड़ित कर्मचारी सहित तैनात स्टाफ ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई

की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव धीराहेड़ी निवासी प्रवीण राठी ने बताया की वह भोपा स्थित विद्युत उपकेंद्र पर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। गुरुवार की दोपहर कार्यालय मे बैठकर कार्य कर रहा था। तभी वहां दो व्यक्ति आये और बकाया पर काटे गये कनेक्शन को बिना भुगतान किये तुरंत जोड़ने का दबाव बनाते हुए गाली गलौज कर उत्पात मचाने लगे। आरोप है की दोनों व्यक्तियों ने शराब के नशे मे गाली गलौज की व विरोध करने पर आरोपियों ने प्रवीण राठी के साथ मारपीट की। शोर सुनकर आये स्टाफ के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने दोनो व्यक्तियों को पकड़ कर थाने पहुंचाया पीड़ित व वहां मौजूद स्टाफ अनिकेत,समद, उमाशंकर,अविनाश,अश्विनी, आशु मलिक आदि ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षकों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगा यूटा: शिवराज सिंह

मथुरा । गुरुवार को जीएलए यूनिवर्सिटी के पीछे सामलिया फार्म हाउस पर यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) की राष्ट्रीय एवं प्रांतीय अधिवेशन आयोजित किया गया। जिसमें संगठन के पदाधिकारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी–अपनी बातें रखीं। मुख्य अतिथि बतौर पधारे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर शिवराज सिंह सिकरवार,राष्ट्रीय महामंत्री रजनीश पांडे ने संगठन की स्थापना से लेकर सारे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। और कहा कि संगठन शिक्षक हितों में तेज गति से कार्य कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। शिक्षकों से भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों को जेल की हवा खिलाने का काम भी यूटा ने किया है और आगे भी करता रहेगा। शिक्षक भी अपने दायित्व के प्रति निष्ठा और लगन से समर्पित रहें। कोई भी परेशानी आने पर यूटा से साझा करें। यूटा उनके हर दुख दर्द में कंधे से कंधे मिलाकर साथ खड़ा दिखाई देगा। संगठन से निष्ठावान शिक्षकों को जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संत श्री सत्यमित्रानंद महाराज ने की। संचालन यूटा मथुरा के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर राजावत ने किया।

सम्पादकीय.......

महंगे ईंधन की मार

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय–समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल–डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन–यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक शृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ–हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल–डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर–सवेर सरकार पेट्रोल–डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे–बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई शृंखला पैदा हो जाती है। माल–भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है। डीजल के दामों से वृद्धि से खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अनाज की महंगाई बढ़ती है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र भी इस वृद्धि से प्रभावित होता है। लेकिन लगता है कि महंगाई की तुलना में टैरिफ प्रभावों को संतुलित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर कोई कारगर रणनीति बनानी ही होगी। देश का विपक्ष भी बार–बार पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि की तार्किकता को लेकर सवाल उठाता रहा है। कुछ लोग इन पदार्थों को जीएसटी के अधीन लाकर मूल्यों को तार्किक बनाने की बात करते हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्य इसे राज्यों के वित्तीय संसाधनों पर केंद्र की दखल के रूप में देखते हैं। लेकिन लगता है कि जब तक दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण बना हुआ है केंद्र सरकार पेट्रोलियम पदार्थों को राजस्व जुटाने का जरिया बनाना जारी रखेगी।

ट्रम्प की जिद से शेयर बाजार तबाह

डॉ. दीपक पाचपोर

शेयर मार्केट के जानकारों के साथ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार इसलिये जल्दी उठ नहीं पायेगा क्योंकि ट्रम्प ने जिन देशों पर सबसे ज्यादा टैरिफ ठोंका है, उनमें भारत भी है।

शासक जिद्दी और अहंकारी हो तो वह तबाही लाता ही हैय पर यदि वह अमेरिका जैसे देश का हो तो बर्बादी वैश्विक ही होगी, इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साबित कर दिखाया है। उनके द्वारा छेड़े गये टैरिफ वॉर ने अनेक देशों के शेयर मार्केट में बड़ी तबाही मचा दी है। जिन देशों की इकानॉमी ठोस मजबूती लिये हुए है, वहां तो इसका असर कम है लेकिन भारत जैसे देश में, जिसकी अर्थव्यवस्था आंकड़ों में तो भीमकाय है लेकिन पिछले कुछ समय से अनेक सेक्टरों में पिछड़ने और लोगों की आय में भारी गिरावट के कारण वह इस सुनामी का मुकाबला करने में नाकाम दिखाई देती है। सोमवार को जैसे ही शेयर बाजार खुला, उसमें वैश्विक घटनाक्रम का असर दिखा। कई देशों के खिलाफ अमेरिका द्वारा अपनाई गई श्रेसिप्रोकल टैरिफश नीति से आई अनिश्चितता से भारत के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज हुई। सेंसेक्स एवं निफ्ध्टी दोनों में ही ऐसी बड़ी गिरावट देखी गयी कि इस दिन को ब्लैक मंडे का नाम दिया गया। बताया गया है कि शेयर मार्केट के अब तक के 5 सबसे बुरे दिनों में सोमवार का शुमार हो गया। हालांकि मंगलवार को आंशिक रिकवरी देखी गयी परन्तु आशंका है कि निवेशकों का बुरा दौर जल्दी खत्म नहीं होगा। शेयर मार्केट के जानकारों के साथ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार इसलिये जल्दी उठ नहीं पायेगा क्योंकि ट्रम्प ने जिन देशों पर सबसे ज्यादा टैरिफ ठोंका है, उनमें भारत भी है। चूंकि वैश्विक अर्थप्रणाली में कहीं भी होने वाली घटनाएं समग्र रूप से सभी देशों पर असर डालती है, विभिन्न देशों के साथ ट्रम्प का यह व्यवहार भारत पर भी असर डाल रहा है। ट्रम्प के इस कदम का अच्छा मुकाबला चीन कर रहा है इसलिये वह दुनिया भर के व्यवसायियों के लिये आशा का नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। वैसे तो बौखलाये ट्रम्प ने चीन पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लागू करने की धमकी दी है लेकिन माना जाता है कि चीन का मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर इतना मजबूत है कि वह आसानी से अमेरिका को झेल जायेगा। समस्या भारत जैसे देश के लिये है जिसने अपने औद्योगिक आधार को बहुत कमजोर कर दिया है। किसी भी महत्वपूर्ण मौकों पर भारत सरकार की चुप्पी इस बार भी दिखाई दे रही है। टैरिफ वॉर से देश कैसे निपटेगा और सरकार इस दिशा में क्या कर रही है, इसे लेकर वित्त मंत्रालय कोई संकेत नहीं दे रहा है। इससे भारतीय बाजार में आशंका के साथ घबराहट होनी स्वाभाविक है। विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लाभ के प्रति बहुत आश्वस्त नहीं हैं। विशेषज्ञों की मानें तो वे लम्बे समय तक भारतीय बाजारों के उठने का इंतजार नहीं करेंगे। यदि विदेशी निवेशक टूटते हैं तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था में लोगों का भरोसा खत्म होते वक्त नहीं लगेगा। इससे रिकवरी की प्रक्रिया और धीमी हो जायेगी। सरकार को बाजार के बचाव से सम्बन्धित कदम तुरन्त घोषित करने होंगे। फिलहाल तो लगता है कि सरकार ने शेयर बाजार तथा स्थानीय निवेशकों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। वैसे भी पिछले लगभग 9 महीनों में शेयर बाजार बेहद कमजोर हुआ है। कई दिन ऐसे आये हैं जब निवेशकों ने एक–एक दिन में लाखों करोड़ों रुपये गंवाए हैं। याद हो कि 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों से जमकर शेयर खरीदने का आग्रह किया था। उनका कहना था कि 4 जून (2024) को निकलने वाले नतीजों में भारतीय जनता पार्टी व उसके नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस को 400 से ज्यादा सीटें मिलने जा रही हैं जिससे निवेशकों को खूब फायदा होगा। इसके कारण लोगों ने जमकर खरीदारी की थी– खासकर उन कम्पनियों के शेयरों की जो भाजपा सरकार के नजदीकी लोगों की है। परिणाम विपरीत निकले। शेयर बाजार ऐसा धड़ाम हुआ कि निवेशकों की जेबें खाली हो गयीं। धूर्त कारोबारियों ने बेचते वक्त भी लाभ कमाया और जब बाजार गिरा तो खरीदारी करते हुए भी चांदी काटी। कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने की मंशा ही शेयर बाजार को कमजोर कर रही है। कम्पनियों में प्रतिस्पर्धा होने से निवेशक अलग–अलग कम्पनियों में पैसे डालते थे ताकि कहीं नुकसान हो तो कहीं लाभ भी हो जाये। अब तो कुछ ही कम्पनियां हैं जो लाभ दे रही हैं। यदि उनके शेयर गिरते हैं तो निवेशकों का पैसा डूबना लाजिमी है। ऐसा इसलिये क्योंकि सरकार थोड़े से कारोबारियों को प्रश्रय दे रही है। वे ही लाभ कमा रहे हैं और उनकी ही कम्पनियां अच्छा वित्तीय प्रदर्शन करती है। वे ही मार खा जायें तो निवेशकों को नुकसान तो होना ही है। सरकार जब मुठ्ठी भर व्यवसायियों को प्रश्रय देगी तो पूरा व्यवसाय जगत और सारा का सारा शेयर बाजार कुछ ही कम्पनियों पर निर्भर हो जाता है। यही हो रहा है। ऐसे नुकसान से शेयर बाजार को बचाना हो तो सरकार को कम्पनियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना होगा। चंद कारोबारियों को संरक्षण व प्रोत्साहन देकर वह उन्हें चाहे अमीर बना रही हो परन्तु इससे ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था नहीं बन सकती जो बाहरी हलचलों से हिल जाये। दरअसल, इस सरकार के पास अर्थशास्त्र की अच्छी समझ रखने वाले लोगों की बेहद कमी है। फिर, मोदीजी जैसे शासक अपने अदूरदर्शी कदमों से अर्थव्यवस्था को और भी कमजोर किये दे रहे हैं। उनके द्वारा लायी गयी नोटबन्दी और जीएसटी से देश अब तक उबरा नहीं है। देखना होगा कि शेयर बाजार में आई नयी सुनामी भारत का और कितना नुकसान करती है।

कम्युनिस्ट आंदोलन के पुनर्जीवन की ओर

राजेन्द्र शर्मा

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम, देश की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी है। स्वाभाविक रूप से उसकी 24वीं राष्ट्रीय कांग्रेस ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह राष्ट्रीय कांग्रेस 2 से 6 अप्रैल तक, तमिलनाडु में मदुरै शहर में संपन्न हुई। कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस, पार्टी का सर्वोच्च निकाय होती है। पार्टी कांग्रेस के माध्यम से ही, कम्युनिस्ट पार्टी अपनी राजनीतिक–कार्यनीतिक–सांगठनिक रीत–नीति और दिशा तय करती है, जिसका अगली पार्टी कांग्रेस तक की अवधि में पार्टी को अनुसरण करना होता है। और इस रीति–नीति तथा दिशा के निर्णय की प्रक्रिया में कम्युनिस्ट पार्टी, अपनी कतारों की व्यापक से व्यापक हिस्सेदारी सुनिश्चित करती है। यह दो स्तरों पर किया जाता है। पहला, पार्टी कांग्रेस की तैयारियों के हिस्से के तौर पर, सबसे निचले स्तर पर पार्टी इकाइयां से होते हुए, उत्तरोत्तर विभिन्न स्तरों की समितियों से होते हुए, राज्य समितियों के स्तर तक, निचले स्तर से चुनकर आए प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी के साथ सम्मेलनों के जरिए। इन सम्मेलनों के माध्यम से हरेक स्तर के काम–काज की आत्मलोचनात्मक समीक्षा की जाती है और आने वाले सम्मेलन तक के लिए दिशा तय की जाती है तथा नेतृत्व का चुनाव किया जाता है। इसी प्रक्रिया में राज्य सम्मेलनों में चुने गए प्रतिनिधि ही, पार्टी की समूची सदस्य संख्या के प्रतिनिधियों के रूप में, राष्ट्रीय कांग्रेस में हिस्सा लेते हैं और तमाम निर्णय लेते हैं। कम्युनिस्ट पार्टी की रीति–नीति तय करने में आम पार्टी सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करने का दूसरा तरीका है, पार्टी कांग्रेस में पेश किए जाने के लिए, आने वाली अवधि के लिए राजनीतिक–सांगठनिक नीति–दिशा के प्रस्तावक दस्तावेजों पर, पूरी पार्टी की रायजनी सुनिश्चित करना। यह सुनिश्चित करने के लिए, सीपीएम के संविधान में यह प्रावधान किया गया है कि पार्टी की राजनीतिक–कार्यनीतिक दिशा का प्रस्ताव करने वाला मुख्य राजनीतिक प्रस्ताव, प्रस्तावित पार्टी कांग्रेस से कम से कम दो महीने पहले समूची पार्टी में बहस के लिए जारी किया जाएगा। सीपीएम का नेतृत्व सिर्फ इस महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे को सार्वजनिक रूप से जारी करने में ही अपने कर्तव्य की इतिश्री नहीं मान लेता है। देश की प्रायरू सभी प्रमुख भाषाओं में राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे का अनुवाद कर, उसे आम पार्टी सदस्यों को उपलब्ध कराया जाता है और पार्टी सदस्यों को इस पर चर्चा करने और अपने संशोधन प्रस्ताव व सुझाव भेजने के लिए प्रोत्साहित–प्रेरित किया जाता है। इसी का नतीजा है कि इस प्रक्रिया में सैकड़ों नहीं हजारों की संख्या में संशोधन के प्रस्ताव व सुझाव, पार्टी के नेतृत्वकारी निकायों तक पहुंचते हैं। सीपीएम की 24वीं कांग्रेस के राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे में भी, चार हजार से जरा से कम संशोधन के प्रस्ताव आए थे। पार्टी की कतारों से आए इन संशोधन प्रस्तावोंः सुझावों की रौशनी में, जो पार्टी की कतारों के अनुभवों व विचारों को विचार की समग्र प्रक्रिया में शामिल करते हैं, कांग्रेस के लिए राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे को अंतिम रूप दिया जाता है। राजनीतिक प्रस्ताव का इस तरह संशोधित मसौदा ही, पार्टी कांग्रेस के लिए देश भर से निर्वाचित होकर आए प्रतिनिधियों के सामने पेश किया जाता है। पुनरू इन प्रतिनिधियों के बीच बेबाक बहस के बाद और इस पार्टी कांग्रेस के दौरान इन प्रतिनिधियों द्वारा रखे गए संशोधन प्रस्तावों पर विचार किए जाने और संशोधनों के इस अंतिम चक्र के बाद, जनतांत्रिक तरीके से प्रतिनिधिगण मसौदे पर अंतिम रूप से अपनी राय देते हैं और इसे मसौदे से राजनीतिक प्रस्ताव के रूप में तब्दील करते हुए, अगली कांग्रेस तक के लिए पार्टी के दिशासूचक के रूप में अंगीकार करते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि एक राजनीतिक पार्टी की रीति–नीति तय करने में यह विशद जनतांत्रिकता, कम्युनिस्ट पार्टी की ही अनोखी विशेषता है। पूंजीवादी पार्टियों में, जनतंत्र की निष्ठा की सारी बतकही के बावजूद, ऐसी गहरी वैचारिक जनतांत्रिकता की कोई गुंजाइश ही नहीं होती है। कम्युनिस्ट पार्टी में अपनी अंदरूनी रचना में जनतांत्रिकता पर इतना जोर, इसलिए देती है कि अन्य पार्टियों से गुणात्मक रूप से भिन्न कम्युनिस्ट पार्टी के लिए, वैचारिक एकता ही उसे बांधकर रखने वाला सीमेंट होती है। उद्येश्यों, आदर्शों और रीति–नीति की एकता ही, कम्युनिस्ट पार्टी की प्रहार शक्ति का असली आधार होती है। और हरेक पार्टी कांग्रेस के गिर्द चलायी जाने वाली वैचारिक एकीकरण की यह विशद प्रक्रिया, एक निश्चित अवधि पर, पार्टी की कतारों की इस वैचारिक एकता का नवीकरण करने का काम करती है। इसी सिलसिले में, सीपीएम की 24वीं कांग्रेस का सर्वसम्मति से राजनीतिक प्रस्ताव को स्वीकार करना, वर्तमान हालात की समझ और इन हालात के बीच से मजदूर वर्ग के आंदोलन को आगे ले जाने के लिए आवश्यक राजनीतिक–कार्यनीति पर, पार्टी में व्यापक एकता को प्रतिबिंबित कर रहा था। वास्तव में यह एकता सिर्फ सीपीएम की अपनी कतारों तक ही सीमित नहीं थी। इस पार्टी कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लेते हुए, देश की चार अन्य प्रमुख वामपंथी पार्टियों के शीर्ष नेताओं ने भी, व्यवहारतरू इसी राजनीतिक–कार्यनीति पर अपनी सहमति जतायी थी। इनमें सीपीआई, सीपीआई (एमएल)–लिबरेशन, आरएसपी और फॉरवर्ड ब्लाक के महासचिव शामिल थे, जिन्होंने सीपीएम की कांग्रेस के लिए शुभकामना संदेश देते हुए, आज की मुख्य चुनौतियों तथा उनका मुकाबला करने के लिए कार्यनीति की समझदारी की इस एकता को, रेखांकित किया था।देश के लगभग समूचे वामपंथ की इस समझ का सार यही है कि देश के पैमाने पर, आज सबसे बड़ी चुनौती, भाजपा–आरएसएस के नेतृत्व में हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता और कारपोरेट के गठजोड़ की चुनौती है। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता पर काबिज यह गठजोड़ जनविरोधी है, जनतंत्रविरोधी है, धर्मनिरपेक्षता तथा संघवाद जैसी हमारे संविधान की बुनियादी विशेषताओं का विरोधी है। आज जबकि यह गठजोड़ सीपीएम की समझ के अनुसार फासीवादी विशेषताओं का प्रदर्शन कर रहा है, सबसे पहला काम यह है कि इसके खिलाफ तमाम धर्मनिरपेक्ष तथा जनतांत्रिक शक्तियों को एकजुट किया जाए, ताकि इस गठजोड़ को अलग–थलग किया जा सके और उसे सत्ता से बाहर किया जा सके। इसके लिए जहां तक संभव हो चुनाव में धर्मनिरपेक्ष तथा जनतांत्रिक शक्तियों के वोट का एकजुट किया जाना आवश्यक है। यहां तक तो तमाम वामपंथी ताकतें ही नहीं, उनके साथ ही अधिकांश धर्मनिरपेक्ष ताकतें भी एकजुट हैं। इसी एकता की अभिव्यक्ति, पिछले साल आम चुनाव के समय कायम हुए इंडिया गठबंधन में हो रही थी, जिसने सत्ताधारी गठजोड़–विरोधी वोटों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी और संघ–भाजपा के मंसूबों को, उन्हें साधारण बहुमत से नीचे रोककर, एक हद तक विफल भी किया था। यह लड़ाई कोई पिछले आम चुनाव के साथ खत्म नहीं हो गयी है। सिर्फ वामपंथ ही नहीं, तमाम जनतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष ताकतें भी इस पर एकजुट नजर आती हैं कि आम चुनाव में लगे धक्के के बावजूद, मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता और कारपोरेटों का गठजोड़ उसी जनतंत्रविरोधी तानाशाहीपूर्ण, सांप्रदायिक मनुवादी, संघवादविरोधी रास्ते पर चल रहा है। इसलिए, उसके खिलाफ तमाम जनतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष ताकतों की एकता, आज भी वक्त की उतनी ही बड़ी जरूरत है। बहरहाल, वामपंथी ताकतें विशेष रूप से इसके प्रति जागरूक हैं कि हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता और कारपोरेट के गठजोड़ को, जिसका प्रतिनिधित्व आज मोदी निजाम करता है, सिर्फ चुनाव के माध्यम से नहीं हराया जा सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इस गठजोड़ की जनविरोधी नीतियों से तबाह हो रही मेहनतकश गरीब जनता के ही विशाल हिस्से, उसके हिंदुत्ववादी पैंतरों में आ जाते हैं और इस तरह कारपोरेटों के हाथों अपनी तबाही का सामान खुद ही मुहैया कराने लगते हैं।

खतरनाक शिगूफा है एक राष्ट्र–एक संस्कृति

अनिल जैन

अखंड भारतट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सबसे पुराना और प्रिय सपना है, जो भाजपा के सत्ता में आने के बाद से खूब देखा जा रहा है। संघ के मुखिया के भाषण से लेकर स्वयंसेवकों की व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी तक में यह हसीन सपनाट छाया रहता है। हालांकि यह और बात है कि इस सपने को साकार करने का ब्लू प्रिंट किसी के पास नहीं है। हां, जो भारत अभी विद्यमान है उसे खंड–खंड करने के नारे और कार्यक्रम संघ और भाजपा के पास खूब है, जिसके जरिये वे देश के आम आदमी को हलाकान किए हुए हैं। संघ का ऐसा ही एक नारा है– श्एक राष्ट्र–एक संस्कृतिट, जो पिछले दिनों बेंगलुरू में संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में दोहराया गया। बैठक के बाद संघ के दूसरे नंबर के पदाधिकारी यानी सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि श्एक राष्ट्र–एक संस्कृतिट की पहल इसलिए की गई थी ताकि देश के लिखित इतिहास की गड़बड़ियों को ठीक किया जा सके और एक सद्भाव वाला भारत बनाया जा सके। संघ की बैठक खत्म होने के एक दिन बाद 24 जनवरी को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि–अब समय आ गया है कि श्एक राष्ट्र–एक संस्कृतिट के विचार को आगे बढ़ाया जाए। वैसे एक राष्ट्र–एक कुछ भीट, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माथे पर सवार पुराना फितूर है। एक राष्ट्र–एक करट यानी जीएसटी से शुरू करके एक राष्ट्र–एक चुनावट, एक देश–एक राशनकार्ड और एक देश–एक नागरिक संहिताट तक उनकी सरकार ने ऐसे अनेक नारे उछाले हैं। यह अलग बात है कि भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे देश में हर नागरिक के लिए सब कुछ एक जैसा करना बिल्कुल नामुमकिन है। जीएसटी से भी कहां एक कर की व्यवस्था बन सकी। जीएसटी में ही पांच किस्म के कर लगते हैं और उसके अलावा कम से कम एक दर्जन किस्म के कर अलग से लगते हैं। बहरहाल अब च्एक राष्ट्र–एक संस्कृतिट का शिगूफा उछाल कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इस फितूर में शामिल हो गया है। हालांकि संघ का यह फितूर नया नहीं है। कोई नौ साल पहले 2016 में संघ के भाष्यकार एमजी (माधव गोविंद) वैद्य ने श्एक राष्ट्र–एक संस्कृतिट शीर्षक से एक लेख लिखा था, जिससे इस अवधारणा पर विचार आगे बढ़ा। उन्होंने लिखा था कि– देश के लिए एक भाषा या एक धर्म की बजाय एक साझा मूल्य प्रणाली की जरूरत है। सवाल है कि क्या संघ इस साझा मूल्य प्रणाली को ही एक संस्कृति मानता है? इससे बड़ा प्रश्न संस्कृति का है। क्या भारत एक संस्कृति या एक साझा मूल्य प्रणाली वाला देश हो सकता है? हकीकत यह है कि इतिहास में कोई कालखंड ऐसा नहीं रहा है, जब भारत भूमि पर एक साझा मूल्य प्रणाली रही हो। तो फिर अब कैसे यह विचार सामने लाया जा रहा है? भारत कभी भी एक संस्कृति वाला देश नहीं रहा है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भारत को अनेक च्संस्कृतियों का समुच्चयट कहा है। वे मानते थे कि भारत की सभ्यता का निर्माण कई संस्कृतियों के मेल से हुआ है ये संस्कृतियां एक दूसरे से भिन्न भी हैं। इसीलिए उन्होंने भारत की सभ्यता को श्विरूद्धों में सामंजस्यट साधने वाला कहा है। इसीलिए जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्एक राष्ट्र–एक संस्कृतिट की बात करता है तो हैरानी होती है। संघ भले ही खुद को सांस्कृतिक संगठन बताता हो और अपने को भारतीय संस्कृति का आधिकारिक भाष्यकार भी मानता हो, लेकिन उसे यह समझना अभी बाकी है कि भारत एक संस्कृति वाला देश न तो कभी था और न कभी हो सकता है। संस्कृति और सभ्यता के अंतर को लेकर भी उसकी समझ संदिग्ध मालूम होती है। पांच हजार साल की भारतीय सभ्यता अगर आज तक अपनी निरंतरता बनाए रख सकी है तो इसकी वजह यही है कि इस दौरान यहां अनेक संस्कृतियां नष्ट हुईं और नई संस्कृतियों का जन्म हुआ लेकिन वे सभ्यता के विशाल समूह का हिस्सा बनी रहीं। वैसे भी भारत जैसे देश में एक संस्कृति की बात कैसे सोची जा सकती है, जहां कोस–कोस पर पानी और दो कोस पर बानी बदलने की बात कही जाती हो। पानी और बानी बदलने के साथ ही संस्कृति के कई तत्व भी बदलते जाते हैं। भारत में सैकड़ों भाषाएं और हजारों बोलियां हैं। हर बोली के साथ उसकी अपनी संस्कृति जुड़ी हुई है। हर भाषा और बोली के साथ उसके अपने त्योहार और परंपराएं जुड़ी हुई हैं। यहां तक कि धार्मिक मान्यताएं भी भौगोलिक क्षेत्र के हिसाब से बदल जाती हैं। इस लिहाज से कह सकते हैं कि संस्कृति एक व्यापक अवधारणा का एक बहुत छोटा हिस्सा है। भारत में कितनी सामाजिक भिन्नताएं हैं, कितनी परंपराएं हैं, कितनी मान्यताएं और कितने लोक व्यवहार हैं, कितनी भाषाएं और कितनी बोलियां हैं, किस तरह के खान–पान और पहनावे की भिन्नता है, यह सब बातें प्रख्यात समाजशास्त्री एमएन श्रीनिवास या श्यामाचरण दुबे की किताबों को पढ़कर भी समझा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया है कि ये सारी भिन्नताएं अलग–अलग संस्कृतियों को जन्म देती हैं। क्या किसी को यह बताने की जरुरत है विवाह से लेकर अंतिम संस्कार तक की कितनी विधियां इस देश में प्रचलित है? अकेले हिंदू धर्म में कितनी तरह की पूजा पद्धतियां हैं, कितनी तरह की विवाह संस्कृति है और कितनी तरह की अंतिम संस्कार की विधियां है? एमएन श्रीनिवास ने श्यादों से रचा एक गांवट में लिखा है कि कर्नाटक में मैसूर के इलाके में हिंदुओं, खास कर सवर्णों में मामा और भांजी या ममेरे और फुफुरे भाई–बहनों के बीच विवाह को श्रेष्ठ माना जाता है। क्या उत्तर भारत के किसी राज्य में हिंदू खास कर सवर्ण हिंदू परिवार में इस तरह के विवाह की बात सोची भी जा सकती है? कर्नाटक के लिंगायत समुदाय में लोगों को मृत्यु के बाद दफनाने का रिवाज है। विवाह और अंतिम संस्कार से अलग अगर पूजा पद्धति की बात करें तो बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर देश के बड़े हिस्से में नवरात्रि मनाई जाती है जिसमें शुद्ध शाकाहारी खान–पान होता है, जबकि पश्चिम बंगाल में तीन दिन के दुर्गापूजा उत्सव में बलि होती है और वध किए गए पशु का मांस ही देवी का प्रसाद होता है। बलि की यह परंपरा बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और असम जैसे कुछ अन्य राज्यों में भी है। सवाल है कि क्या शाक्त, शैव और वैष्णव परंपराओं को मिला कर एक बनाने की बात की जा सकती है? पिछले कुछ समय से समूचे देश पर जबरदस्ती वैष्णव परम्परा लादने का प्रयास हो रहा है। क्या एक संस्कृति की बहस उसी का हिस्सा है? बहरहाल, जब हिंदू समुदाय के अंदर ही आप विवाह और अंतिम संस्कार की साझा पद्धति नहीं बना सकते है, खानपान और पहनावे की साझा पद्धति विकसित नहीं कर सकते हैं, पूजा पद्धति को एक जैसा नहीं बना सकते हैं तो यह उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि जिस देश में दुनिया के लगभग हर धर्म के लोग रहते हैं, उनकी एक जैसी संस्कृति बना दे? देश में मुस्लिम दूसरा बड़ा और ईसाई तीसरा बड़ा धार्मिक समुदाय है।

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को भला कौन नहीं जानता। एक समय था जब अक्षरा भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह संग अपने रिलेशनशिप को लेकर खूब सुर्खियों में थीं, लेकिन दोनों का यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल सका। पवन सिंह ने अचानक किसी और से शादी कर ली, जिससे अक्षरा को गहरा झटका लगा।अब पवन और अक्षरा के बीच रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए हैं। दोनों एक–दूसरे पर बयानबाजी करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। हाल में अक्षरा ने एक इंटरव्यू में पवन सिंह को लेकर साफ–सीधी बातें कीं। दरअसल, अक्षरा सिंह ने हाल ही में एक पॉडकास्ट 'का हाल बा?' में खुलकर अपने दिल की बात की। जब उनसे पूछा गया कि अगर कभी उनका पवन सिंह से सामना होता है, तो क्या वे सामान्य बातचीत करेंगी? इस पर अक्षरा ने साफ और दो टूक जवाब दिया। उन्होंने कहा– "अक्षरा सिंह नाम है मेरा, एक बार थूक दिया तो चाट नहीं सकती। पलटकर नहीं देखती। यही मेरा जीने का तरीका है।"अक्षरा ने आगे कहा, "काम के लिए भी मैं कभी किसी के आगे नहीं झुकी हूं। मर जाना पसंद करूंगी, लेकिन गलत के सामने नहीं झुकेगी। यही मेरी शख्सियत है।" अक्षरा ने यह भी माना कि उनके इस रवैये के कारण उनके करियर में कुछ नुकसान भी हुआ, लेकिन वे अपने उसूलों से कभी समझौता नहीं करेंगी। इससे पहले पवन सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा था कि आज जो अक्षरा सिंह गा रही हैं, वह उनकी वजह से है। इस पर अक्षरा का जवाब था, "अगर ऐसा कहने से उन्हें खुशी मिलती है, तो कहने दीजिए। मुझे फर्क नहीं पड़ता।

तमन्ना भाटिया स्टारर पैन-इंडिया फिल्म ओडेला 2 का ट्रेलर हुआ रिलीज!

बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया अलौकिक थ्रिलर ओडेला 2 का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। यह शानदार ट्रेलर मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी गैलेक्सी सिनेमा में एक भव्य आयोजन के दौरान लॉन्च किया गया, जो बड़े पैमाने पर बनने वाली मनोरंजक फिल्मों के लिए एक प्रसिद्ध स्थल है। यह ज्ञात है कि ओडेला–रेलवे स्टेशन की जबरदस्त सफलता के बाद, मेकर्स ने ओडेला 2 पेश किया है, जो एक ऐसा सीक्वल है जिसमें एक्शन, ड्रामा, भावनाएं और एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव शामिल होगा। ट्रेलर ने इन सभी तत्वों को बखूबी दर्शाया है। तमन्ना भाटिया के दमदार लीड रोल के साथ, मेकर्स और पूरी टीम एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने की उम्मीद कर रहे हैं, जब फिल्म 17 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। भारी बजट में बनी ओडेला 2 में एक शानदार कलाकारों की टोली है, जिसमें वशिष्ठ एन. सिम्हा, हेबा पटेल, मुरली शर्मा, शरथ लोहिताश्व, श्रीकांत अयंगर, नागा महेश, वामशी, गगन विहारी, सुरेंद्र रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी शामिल हैं। फिल्म पूरे भारत में 17 अप्रैल 2025 को भव्य थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार है। इसे मदु क्रिएशंस के तहत डी. मधु द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। हिंदी संस्करण को एडवाइज मूवीज बैनर के तहत आदित्य भाटिया पेश करेंगे, जबकि जय विराट्रा एंटरटेनमेंट लिमिटेड इसके हिंदी क्षेत्रों में वितरण को संभालेगा। फिल्म में रोमांचक कहानी, बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और दिल दहला देने वाला बैकग्राउंड स्कोर होगा, जिससे दर्शकों को एक भव्य विजुअल अनुभव मिलेगा। ओडेला 2 का निर्देशन अशोक तेजा ने किया है, जबकि इसकी कहानी, पटकथा, संवाद और निर्देशन पर्यवेक्षण संपत नंदी ने किया है। फिल्म का संगीत बी. अजनीश लोकनाथ ने दिया है। फिल्म को लेकर उत्साह अपने चरम पर है, और ट्रेलर ने इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है।

सनी देओल, रणदीप हुड्डा की फिल्म के बारे में सोशल मीडिया यूजर्स का क्या कहना? यहां देखें

सनी देओल की धमाकेदार एक्शन फिल्म श्जाटश 10 अप्रैल को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित इस एक्शन–थ्रिलर फिल्म में रेगेना कैसांद्रा, उर्वशी रौतेला, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को सनी देओल के प्रशंसकों और फिल्म देखने वालों से जबरदस्त सकारात्मक समीक्षा मिली है। फिल्म के पहले दिन के पहले शो खत्म होने के तुरंत बाद, सनी देओल के प्रशंसक और फिल्म देखने वाले एक्स (पहले ट्विटर) पर फिल्म की समीक्षा साझा करने से नहीं चूके। सोशल मीडिया यूजर्स सनी देओल स्टारर इस फिल्म की तारीफ कर रहे हैं, एक यूजर ने लिखा, श्जाट इंटरवल – अब तक का सुपर एंटरटेनमेंट रु90 के दशक के सनी देओल इस फिल्म के साथ वापस आ गए हैं... पिछले 15 सालों में किसी ने उन्हें इस तरह पेश नहीं किया। दर्शकों ने तो यहां तक घ्कहा कि सिकंदर को ऐसा ही होना चाहिए था। इसे ष्पैसा वसूलष और ष्मसालेदारष कहते हुए, फिल्म देखने वालों ने फिल्म को एक संपूर्ण पैकेज बताया जो अपने वादे को पूरा करती है। एक यूजर ने कहा ष्यही सिकंदर को होना चाहिए था यार। जाट अब तक की सबसे मजेदार और मनोरंजक फिल्म है, यह तेज है और हां यह एक कमर्शियल फिल्म है, लेकिन बिल्कुल भी खराब नहीं है। सनी देओल वही कर रहे हैं जिसमें वह सबसे अच्छे हैं, जबकि सलमान और रणदीप बस यही कर रहे हैं। फिल्म समीक्षक और व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने लिखा ष्जाट मसाला सिनेमा के लिए एक श्रद्धांजलि है जिसे हमने सालों से संजोया है – एक ऐसी शैली जो आज हिंदी सिनेमा परिदृश्य से दुखद रूप से गायब है... फिल्म दर्शकों को वह देती है जिसकी उन्हें चाहत हैरू एक बड़े पर्दे पर मनोरंजक।

अन्य एक्स रिव्यूज़ पर नज़र डालें

इस पर टिप्पणी करते हुए एक यूजर ने लिखा सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच की टक्कर से भी प्रशंसक प्रभावित हैं। रणदीप हुड्डा और सनी देओल की एंट्री के लिए शुरुआत और तैयारी बहुत खूब है। पक्का सामूहिक आमना–सामना होगा।श हालांकि, इतना ही नहीं सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने फिल्म में कुछ खामियां बताई हैं। एक अन्य एक्स यूजर ने टिप्पणी की, श्यह फिल्म मूल रूप से हिंदी संवादों और सनी देओल की मुख्य भूमिका वाली एक विशिष्ट तेलुगु सामूहिक रक्षक टेम्पलेट फिल्म है। इस टेम्पलेट को इस बिंदु पर मार दिया गया है और इसमें कुछ भी नया नहीं है।

जाट के बारे में

गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित जाट एक सुदूर गांव में सेट है, जहां अपराधी वरदराजा रणतुंगा स्थानीय लोगों को आतंकित करता है। हालांकि, अपने आदमियों के साथ यात्रा करने वाले अजनबी से मुठभेड़ ग्रामीणों की पीड़ा को उजागर करती है। एक्शन–थ्रिलर फिल्म के कलाकारों की बात करें तो सनी देओल के साथ इस फिल्म में रेगेना कैसांद्रा, उर्वशी रौतेला, विनीत कुमार सिंह, रणदीप हुड्डा, निधि अग्रवाल, जगपति बाबू, सैयामी खेर, दयानंद रेड्डी, राम्या कृष्णन और मुश्ताक खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सनी देओल का वर्क फ्रंट

सनी देओल को आखिरी बार तारा सिंह द्वारा निर्देशित गदर 2 में देखा गया था। फिल्म में अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनेता अगली बार राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित श्लाहौर 1947श में शबाना आज़मी और प्रीति जी जिंटा, अली फज़ल, मिथुन चक्रवर्ती की मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। उम्मीद है कि यह फिल्म जून 2025 में सिल्वर स्क्रीन पर आएगी।

बिग बॉस में आम आदमी के जाने पर करण पटेल की विवादित टिप्पणी–नहीं चाहता कोई सब्जी या दूधवाला शो में दिखे

टीवी जगत के मशहूर एक्टर करण पटेल इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में एक्टर भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में पहुंचे, जहां उन्होंने कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए। इस दौरान उनके एक बयान ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार बना दिया। तो आइए जानते हैं आखिर करण पटेल ने इस शो में ऐसी क्या बातें की.. पॉडकास्ट के दौरान करण पटेल ने बताया कि उन्हें पिछले छह सालों से कोई नया शो ऑफर नहीं किया गया है। उन्होंने खुलासा किया कि इस वक्त वह इंडस्ट्री में सक्रिय नहीं हैं और इसका उन्हें दुख है। करण ने ये भी कहा कि वह काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अच्छे प्रोजेक्ट्स का ऑफर नहीं मिल रहा है। उनका मानना है कि नए शो के अभाव में वह खुद को खाली महसूस कर रहे हैं। जब करण से पूछा गया कि वह बिग बॉस जैसे शो में क्यों नहीं नजर आते, तो उन्होंने कहा कि बिग बॉस के हालिया सीजन में आम लोग भी आ जाते हैं और इससे शो की गुणवत्ता और रोमांच में गिरावट आई है। उन्होंने ये भी कहा कि वह नहीं चाहते कि कोई सब्जी वाला या दूधवाला उनके साथ शो में दिखे। एक्टर के इस बयान पर सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और लोग उन्हें ट्रोल करने लगे। कुछ यूजर्स ने उन्हें 'घमंडी' और 'भेदभावपूर्ण' बताया। वहीं, कइयों ने यह भी कहा कि बिग बॉस जैसे रियलिटी शोज का फॉर्मेट सभी के लिए खुला है और आम लोग भी मेहनत और टैलेंट के बल पर शो का हिस्सा बन सकते हैं। बता दें, करण पटेल को श्ये हैं मोहब्बतेंश में रमन भल्ला के रोल से जबरदस्त लोकप्रियता मिली थी, लेकिन इन दिनों वह इंडस्ट्री में एक्टिव नहीं हैं। एक्टर ने बताया कि उन्हें पिछले 6 सालों से कोई रोल ऑफर नहीं हो रहे।

इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद के बाद अपूर्वा मुखीजा की इंस्टाग्राम पर वापसी

अपूर्वा मुखीजा उर्फ द रिबेल किड पिछले कुछ समय से चर्चा में हैं। इंडियाज गॉट लेटेंट के विवादास्पद एपिसोड में शामिल अपूर्वा मुखीजा उर्फ 'द रिबेल किड' ने मंगलवार को पिछले कुछ महीनों में उन्हें मिली मौत और बलात्कार की धमकियों की कई स्लाइड्स साझा कीं। सोशल मीडिया स्टार, जिनके इंस्टाग्राम पर 3 मिलियन से ज़्यादा फ़ॉलोअर्स हैं, ने पिछले हफ़्ते अपने सभी पोस्ट हटा दिए थे, जब ल्वनज्नइमत रणवीर अल्लाहबादिया की माता–पिता और सेक्स से जुड़ी टिप्पणियों ने राजनीतिक हंगामा खड़ा कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप शो के आयोजकों के खिलाफ़ कई पुलिस शिकायतें और औपचारिक शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें पैनलिस्ट मुखीजा और होस्ट समय रैना भी शामिल थे। सोशल मीडिया इन्फ़्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा, जिन्हें द रिबेल किड के नाम से जाना जाता है, ने इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद के कुछ हफ़्ते बाद नए पोस्ट के साथ इंस्टाग्राम पर वापसी की। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर अपूर्वा मुखीजा ने पिछले कुछ हफ़्तों में उन्हें मिली धमकियों के बारे में बात की। उन्होंने एक संक्षिप्त लेकिन दमदार बयान भी पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा है, ष्ट्रिगर वार्निंगरू पोस्ट में एसिड अटैक, बलात्कार की धमकियां और मौत की धमकियां शामिल हैं।ष अपूर्वा मुखीजा ने इसे कैप्शन दिया, और यह 1: भी नहीं है।ष सोशल मीडिया यूज़र्स अपूर्वा मुखीजा के समर्थन में आए और साइबरबुलिंग और ट्रोलिंग पर चुप रहने के लिए महाराष्ट्र साइबर को निशाने पर लिया। कमेंट सेक्शन में बहुत से लोगों ने अपूर्वा को प्यार और समर्थन दिखाया है। एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, ष्अगर भगवान न करे कि उसे कुछ हो जाए तो आप कैंडल मार्च में उन्हीं लोगों को देखेंगे। लोग महिलाओं को देवी कहते हैं लेकिन हमारे साथ इंसानों जैसा व्यवहार भी नहीं करते। हम मजबूत स्वतंत्र महिलाएं हैं लेकिन किस कीमत पर??? हमें नारीवादियों की जरूरत है, हमें उनकी बहुत जरूरत है।ष एक अन्य टिप्पणी में लिखा है, ष्यह देखकर बहुत निराशा हुई कि आपने क्या–क्या सहा है। आपको और शक्ति मिले ?? किसी कारण से विद्रोही?ष एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा ष्क्या इन लोगों को ऐसी धमकियों के लिए गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए? फिर जांच कहां है?! एक और व्यक्ति ने अपूर्वा की पोस्ट पर टिप्पणी की, ष्वे एक मजबूत महिला को बर्दाश्त नहीं कर सकते। खेद है कि आपको यह सब सहना पड़ा। इन पुरुषों के जीवन में सभी महिलाओं के लिए खेद है। हमारे देश में पुरुषों की मानसिकता के लिए बहुत खेद है।ष एक अन्य टिप्पणी में लिखा ष्मुझे नहीं पता कि आपने सब कुछ कैसे संभाला लेकिन आपको और शक्ति मिले।

व्रत के खाने को बनाएं टेस्टी, स्नैक्स के साथ खाएं ये डिप्स और चटनी

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत आज हो चुकी है। हम सभी लोगों ने व्रत रखते हैं, ऐसे में नौ दिनों तक लोग खाने को लेकर काफी सजग रहते हैं। इन नौ दिनों में क्योंकि देवी मां की पूजा की जाती है, इस दौरान प्याज और लहसुन से बनी चीजों को नहीं खाया जाता है। उपवास रखने के दौरान कुछ टेस्टी खाने का जरुर मन करता है। चलिए आपको चटनी और डिप्स बनाकर अपनी बोरिंग मील को भी लजीज बना सकते हैं।

सामग्री

- 1 कप भुनी हुई मूंगफली
- 2 हरी मिर्च
- 1 इंच अदरक का टुकड़ा
- 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
- स्वादानुसार सेंधा नमक
- पानी जरुरत के हिसाब से

मूंगफली की चटनी बनाने का तरीका

– सबसे पहले मीडियम गैस पर एक पैन में मूंगफली को हल्का भून लें।

– एक ब्लेंडर में भुनी हुई मूंगफली, हरी मिर्च, अदरक, नींबू का रस और सेंधा नमक डालें।

– जरुरत के अनुसार पानी डालें और सारी चीजों को अच्छी तरह से पीस लें। यह गाढ़े पेस्ट की तरह तैयार कर लें।

– चटनी को टेस्ट करें और मसाला को एडजस्ट करें। खट्टापन बढ़ाने के लिए आप नींबू का रस डल सकते हैं।

– इसे आप साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू पराठा या व्रत डोसा के साथ खा सकते हैं।

खजूर और इमली की चटनी

सामग्री

- 1 कप खजूर
- 1/2 कप इमली का गूदा
- 1/4 कप गुड़
- 1 चम्मच भुना जीरा पाउडर
- काला नमक स्वादानुसार
- 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- पानी आवश्कतानुसार

विधि

– खजूर से गुठली हटाकर उन्हें अलग कर लें। इसके बाद गर्म पानी में 30 मिनट के लिए भिगोएं।

– अलग कटोरी में इमली के गूदे के और गुड़ डालकर स्मूथ होने तक ब्लेंड कर लें।

– अब इसे सॉस पैन में डालें और आवश्कतानुसार पानी डालकर धीमी गैस पर पकाएं। अब इसमें जीरा पाउडर, काला नमक और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं।

– उबाल आने के बाद इसे ठंडा होने दे। खजूर की चटनी को आप शाम के पूजा के बाद खाना खाते हुए इसका मजा ले सकते हैं।

वजन घटाने के लिए रोजाना कितनी देर चलना चलना सही होता है, जानें एक्सपर्ट की राय

वजन कम करना बिलकुल भी आसान नहीं होता है। इसके लिए कई पापड़ बेलने पड़ते हैं। बहुत से लोग हैवी वर्कआउट करने से भी डरते हैं। ऐसे में आप रोजाना टेहल कर वेट लॉस कर सकते हैं। अब सवाल ये बनता है कि वजन कम करने के लिए कितनी देर चलना चाहिए? आइए आपको बताते हैं न्यूट्रिशनिस्ट और लाइफस्टाल कोच सिमरन कौर से जानते हैं रोजाना कितनी देर चलने से वजन कम होता है?

रिसर्च क्या कहती है?

रिसर्च के मुताबिक, रोजाना पैदल चलना एक बढ़िया एरोबिक एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करती है। CDC के अनुसार, रोजाना कम से कम 8 से 10 हजार कदम चलने से वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

कितने कदम चलनी सही होता है?

एक्सपर्ट की मुताबिक, तो दिन में कम से कम 9000–10000 कदम चलने से वजन कम करने में मदद मिलती है, लेकिन इसके साथ एक्सरसाइज और डाइट का ख्याल रखना भी जरुरी है।

वजन घटाने के लिए कैसे वॉक करें?

बेहतर परिणाम के लिए वॉक करते समय ब्रिस्क पेस को मेंटेन करें यानी आपको न बहुत अधिक तेज वॉक करना है और ना ही बहुत धीमे चलना है। एक्सपर्ट की मानें तो सही रिजल्ट के लिए आपको हर हफ्ते में लगभग 150 मिनट वॉक करनी चाहिए। तभी आपको वजन कम करने में मदद मिल पाएगी।

किस समय वॉक करें?

सुबह 7 से 9 बजे के बीच का समय वॉक के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। अगर आप सुबह पैदल नहीं चल पाते हैं, तो आप शाम और रात में पैदल चलकर भी आसानी से वजन कम कर सकते हैं।

पाचन संबंधित परेशानियां दूर होगी

पैदल चलने से पाचन संबंधित परेशानियां दूर होती है। वॉक करने से न केवल आपका वजन कम होगा, बल्कि इससे आपकी पाचन शक्ति भी बेहतर होगी। वॉक करने से गैस, एसिडिट और कब्ज से भी राहत मिलेगी।

स्ट्रेस होगी दूर

अगर आप काफी स्ट्रेस लेते हैं तो आपको वॉक करना चाहिए। रोजाना वॉक करने से स्ट्रेस कम होता है। वहीं इससे मानसिक तनाव और डिप्रेशन जैसे लक्षणों से छुटकारा मिल जाता है।

गर्मियों में ये 6 जरुरी चीजें आपकी किचन में होना आवश्यक है

देश में चिलचिलाती धूप के साथ, दिन को व्यतीत करना काफी मुश्किल होता हैं। देश के कुछ हिस्सों में लू चलनी शुरू हो गई है और लोग गर्मी से राहत पाने के लिए चीजों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि देश में अप्रैल से जून तक लू चलेगी। जैसा कि कहा गया है, किचन में गर्मी से राहत देने वाली कुछ आवश्यक वस्तुओं को स्टोर रखना महत्वपूर्ण है। गर्मियों के आगमन के साथ, लोगों को अपने आहार में बदलाव करना चाहिए और कुछ ऐसा चुनना चाहिए जो गर्मी के महीनों के दौरान स्वास्थ्य संबंधी खतरों को रोक सके। हाइड्रेशन और अन्य संबंधित समस्याओं को रोकने के लिए पर्याप्त तरल पदार्थ और ठंडे खाद्य पदार्थों के साथ–साथ मौसमी फलों और सब्जियों को शामिल करना महत्वपूर्ण है। यदि आप सोच रहे हैं कि आपको अपनी रसोई की पैंट्री में गर्मियों के लिए कौन–सी आवश्यक चीजें रखनी चाहिए, तो यह लेख आपकी मदद के लिए है। इन 6 खाद्य उत्पादों पर एक नज़र डालें जो आपकी पेंट्री में होने चाहिए।

दही

यह हर घर का मुख्य भोजन है और यह अपने ठंडक और प्रोबायोटिक से भरपूर तत्वों के लिए जाना जाता है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। दही में कैल्शियम, विटामिन डी और जीवित जीवाणु संस्कृतियों से समृद्ध है जो पाचन में सहायता करता है, इम्यूनिटी को बढ़ावा देता है और अच्छे आंत स्वास्थ्य को बनाए रखता है। गर्मियों के महीनों के दौरान, लस्सी, छाछ, रायता और अन्य जैसे ठंडे दही आधारित व्यंजनों का आनंद लिया जा सकता है जो गर्मी से तुरंत राहत देते हैं। इसके अलावा, यह हाइड्रेटेड रहने के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिक तरीके से प्रदान करता है।

सत्तू

यह भुने हुए चने से बना एक पारंपरिक आटा है और एक बहुमुखी घटक है जो गर्मियों के दौरान हाइड्रेशन पावरहाउस के रूप में कार्य करता है। यह प्रोटीन, फाइबर और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर है। सत्तू तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है और आपको लंबे समय तक भरा रखता है। सत्तू को ताज़ा पेय जैसे सत्तू शर्बत या सत्तू पराठा जैसे स्वादिष्ट व्यंजन के रूप में शामिल किया जा सकता है। अपने ग्रीष्मकालीन आहार में सत्तू के व्यंजन शामिल करना न केवल पौष्टिक है बल्कि गर्मी से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

मिश्री

मिश्री को रॉक शुगर के रूप में भी जाना जाता है, मिश्री एक प्राकृतिक स्वीटनर है जिसका भारतीय घरों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, खासकर गर्मियों के दौरान। मिश्री कम संसाधित होती है और इसमें सूक्ष्म खनिज होते हैं जो ऊर्जा की धीमी और स्थिर रिहाई प्रदान करते हैं। यह गर्मियों के पेय पदार्थों और मिठाइयों के लिए एकदम उपयुक्त है। आप नींबू पानी या शर्बत जैसे पेय पदार्थों में मिश्री के कुछ टुकड़े मिला सकते हैं जो न केवल उनके स्वाद को बढ़ाते हैं बल्कि ताज़ा मिठास भी प्रदान करते हैं।

पुदीना

पुदीने की पत्तियों की ताजगी भरी सुगंध और ठंडे गुण की वजह से यह समर व्यंजनों के लिए एक बेस्ट सामग्री बनाते हैं। यह एंटीऑक्सिडेंट और मेन्थॉल से भरे हुए हैं जो पाचन समस्याओं को शांत करने, मतली को कम करने और गर्मी से तुरंत राहत प्रदान करने में मदद करते हैं। आप ताज़ा पुदीने की पत्तियों का उपयोग पुदीना नींबू पानी, इन्फ्यूज्ड पानी या पुदीने की चाय जैसे ठंडे पेय पदार्थों में कर सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने की पत्तियों की चटनी भी बना सकते हैं।

कोकम कॉन्सेंट्रेट

कोकम भारत के पश्चिमी घाट का एक फल है। यह अपने तीखे और ठंडे गुणों के लिए जाना जाता है। कोकम कॉन्सन्ट्रेट सूखे कोकम छिलके से बनाया जाता है जो भारत के गर्मियों के महीनों में एक लोकप्रिय सामग्री है। यह एंटीऑक्सिडेंट और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड से भरपूर है जो पाचन में सहायता करता है, अम्लता को कम करता है और शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसका उपयोग आमतौर पर कोकम शर्बत जैसे ताज़ा पेय में किया जाता है या तीखे स्वाद के लिए करी या दाल में मिलाया जाता है। कोकम सांद्रण के साथ पानी, चीनी और एक चुटकी नमक मिलाकर एक स्फूर्तिदायक पेय बनाएं जो आपको पूरी गर्मियों में ठंडा रखेगा।

सौंफ

सौंफ के बीज एक ठंडा मसाला है जो विशेष रूप से गर्मियों के दौरान कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। विटामिन, खनिज और आवश्यक तेलों से भरपूर, सौंफ के बीज पाचन में मदद करते हैं, पेट फूलने को कम करते हैं और सांसों को ताज़ा करते हैं। यह अपच को कम करने में मदद करता है और गर्मी से संबंधित परेशानी से राहत देता है। सौंफ के पानी जैसे ठंडे पेय पदार्थ बनाने के लिए सौंफ के बीजों को शामिल करें या उन्हें चाय, सलाद, करी और डेसर्ट में मिलाएं।

खाली जेब रहने के कारण हैं ये 5 आदतें, हाथ में नहीं टिकता पैसा

आचार्य चाणक्य द्वारा रचित चाणक्य नीति में जीवन को सुधारने के कई महत्वपूर्ण सिद्धांत दिए गए हैं। इन सिद्धांतों का पालन करने से व्यक्ति का जीवन बेहतर हो सकता है और धन के मामलों में भी सफलता मिल सकती है। चाणक्य ने कुछ ऐसे लोगों का उल्लेख भी किया है जिनके हाथ में कभी पैसा नहीं रुकता। आइए, जानें वे लोग कौन हैं और किस कारण से उनके पास पैसा नहीं टिकता।

साफ–सफाई का ध्यान न रखने वाले लोग

चाणक्य नीति के अनुसार, जो लोग अपनी स्वच्छता का ध्यान नहीं रखते, गंदे रहते हैं या मैले कपड़े पहनते हैं, उनके पास कभी भी धन नहीं टिकता। यदि किसी व्यक्ति की शारीरिक स्वच्छता पर ध्यान नहीं है, जैसे कि उसके दांतों पर गंदगी रहती है, तो वह हमेशा पैसों की समस्या से जूझता है। आचार्य चाणक्य का मानना है कि मां लक्ष्मी उस स्थान पर वास करती हैं जो साफ–सुथरा होता है। इसलिए अगर किसी व्यक्ति के पास धन नहीं टिकता, तो उसे अपनी स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए।

भुक्खड़ स्वभाव वाले लोग

चाणक्य ने यह भी कहा है कि जिनका पूरा ध्यान सिर्फ खाने पर रहता है और जो हमेशा भुक्खड़ स्वभाव के होते हैं, वे भी कभी समृद्धि की ओर नहीं बढ़ पाते। ऐसे लोग ध्‍ान की कमी से संघर्ष करते रहते हैं क्योंकि उनका ध्यान केवल तात्कालिक सुखों पर होता है, न कि दीर्घकालिक लक्ष्यों पर। इसलिये आचार्य चाणक्य का यह उपदेश है कि किसी भी काम में संयम और संतुलन बनाकर चलना चाहिए, खासकर भोजन में।

सूर्योदय से पहले न उठने वाले लोग

अगर कोई व्यक्ति सूर्योदय से पहले बिस्तर से नहीं उठता और दिन की शुरुआत में आलस्य करता है, तो चाणक्य के अनुसार उसके पास कभी भी धन नहीं टिकता। आलस्य से दिन की शुरुआत करना, किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने में रुकावट डालता है। इसलिए, आचार्य चाणक्य का संदेश है कि एक व्यक्ति को अपने दिन की शुरुआत जल्दी और ऊर्जा से करनी चाहिए ताकि सफलता और समृद्धि की ओर बढ़े।

धन का घमंड करने वाले लोग

धन कमाने के बाद यदि कोई व्यक्ति अपने धन का घमंड करता है, तो चाणक्य के अनुसार, उसका धन नष्ट हो जाता है। चाणक्य ने कहा कि जो लोग पैसों के मामले में घमंड करते हैं और यह भूल जाते हैं कि उनका यह धन मेहनत से आया है, वह धन भी जल्दी ही खत्म हो जाता है। इस घमंड से न सिर्फ मां लक्ष्मी नाराज होती हैं, बल्कि यह अहंकार रिश्तों में भी दरार डालता है। घमंड करने से व्यक्ति की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है, और उसकी सारी मेहनत और कमाई नष्ट हो जाती है।

आत्म मूल्य और संतुलन बनाए रखें

चाणक्य नीति के अनुसार, धन के प्रति सही दृष्टिकोण अपनाना बहुत जरूरी है। मेहनत से कमाया गया पैसा कभी भी घमंड या अहंकार का कारण नहीं बनना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को अपने आत्म मूल्य और उद्देश्य को समझने का सही तरीका आता है, तो वह हमेशा धन के मामले में सफल होता है। यह संतुलन व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक शांति भी देता है, जिससे उसका जीवन बेहतर होता है।

इसलिए इन सिद्धांतों को अपने जीवन में उतार कर हम अपने जीवन को खुशहाल और समृद्ध बना सकते हैं।

डिस्कलेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। किसी भी सलाह को व्यक्तिगत स्थिति के अनुसार समझकर अपनाएं।

सफेद ही नहीं ब्राउन राइस भी सेहत के लिए फायदेमंद, इन बीमारियों को रखेंगे दूर

चावल स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। सिर्फ सफेद ही नहीं बल्कि ब्राउन राइस भी सेहत को ढेरों फायदे देते हैं। इनमें सफेद चावल के मुकाबले ज्यादा पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, पौटेशियम और फास्फोरस जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें विटामिन–ई भी पाया जाता है ऐसे में यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के अलावा भी ब्राउन राइस शरीर को कई तरह के फायदे देतें हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं ब्राउन राइस खाने से आपकी सेहत को क्या–क्या फायदे होंगे।

डायबिटीज रहेगी कंट्रोल

सफेद चावल जहां ब्लड शुगर बढ़ाते हैं वहीं ब्राउन राइस का सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल में रहती है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स सफेद चावल के मुकाबले कम होता है। ऐसे में यह पचने में भी समय लेता है। धीरे–धीरे पचने के कारण ब्राउन राइस का ब्लड शुगर पर भी कम असर होता है। ऐसे में इसके नियमित सेवन से डायबिटीज का खतरा भी कम होता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से भूख कम लगती है। इसमें पाया जाने वाला फाइबर प्रीबायोटिक के तौर पर काम करता है। ऐसे में यह गट बैक्टीरिया की ग्रोथ में भी मदद करता है। इसका सेवन करने से गट हेल्थ मजबूत होती है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला मैग्नीशियम डाइजेस्टिव ट्रैक्ट के मसल्स फंक्शन बेहतर बनाने में मदद करता है। ब्राउन राइस खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

सफेद चावल के मुकाबले ब्राउन राइस में फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है। इसे खाने के बार–बार क्रेविंग्स नहीं होती। नियमित तौर पर इसका सेवन करने से बैली फैट भी कम होता है।

हार्ट रहेगा हेल्दी

इसमें कुछ ऐसे कंपाउंड्स पाए जाते हैं जो दिल संबंधी बीमारियों का जोखिम कम करते हैं। ब्राउन राइस में मैग्नीशियम और लिग्नेस भी पाया जाता है ऐसे में यह हार्ट के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

इसमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। ऐसे में यह पोषक तत्व शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। ब्राउन राइस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने और रोगों से लड़ने में मदद करते हैं।

संक्षिप्त

टैरिफ पर लगे ब्रेक से एशिया के बाजार हुए गुलजार, 24 वर्षों में पहली बार NASDAQ में दिखी ऐसी बढ़ोतरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्च टैरिफ दरों पर 90 दिनों के लिए रोक लगाने की घोषणा कर दी है। चीन के सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 125: करने के एलान के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी आई है। 10 अप्रैल से 104: की जगह टैरिफ बढ़ाकर 125: हो गया है। इस कदम के बाद अमेरिकी शेयर बाजार ने ऊंची उड़ान भरी है। एशिया प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी देखी गई। बाजार में निवेशकों की बढ़ती रुचि और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के कारण यह उछाल आया है। यूएस स्टॉक मार्केट में नैस्डैक ने 24 वर्ष के बाद पहली बार ऐसी बढ़त देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो नैस्डेक 12.2 फीसदी उपर चढ़ा है। नैस्डेक 100 अंक ऊपर बढ़ा है। तीन जनवरी 2001 के बाद ये पहला मौका है जब ये इस स्तर पर पहुंचा है। अबतक ये दूसरी बार का रिकॉर्ड है, जब इतना अधिक स्तर पर पहुंचा है। ये 9.5: के ऊपरी स्तर पर बंद है। वर्ष 2008 के बाद से ये पहला मौका है जब ये इतना अधिक स्तर पर आया है। तीसरी बार नैस्डेक में इतना अधिक उछाल देखने को मिला है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि मैं 90 दिनों तक टैरिफ पर ब्रेक लगाने का आदेश देता हूं। इस दौरान तत्काल प्रभाव से 10 फीसदी टैरिफ लागू होगा। ये ब्रेक चीन पर लागू नहीं होगा।

गोल्ड लोन कंपनियों पर सख्ती, ग्राहकों को एग्रीमेंट में नीलामी सहित सभी जानकारी देना अनिवार्य

नई दिल्ली। गोल्ड लोन में बढ़ती खामियों को लेकर आरबीआई ने रुख कड़ा कर लिया है। अब गोल्ड लोन कंपनियों को सुनिश्चित करना होगा कि सोने की शुद्धता, वजन आदि की जांच के लिए एक मानकीकृत प्रक्रिया अपनाई जाएगी। ऋणदाता की सभी शाखाओं में इस प्रक्रिया को एक समान रूप से अपनाया जाना चाहिए। आरबीआई ने बुधवार को गोल्ड लोन से संबंधित मसौदा जारी किया। इसके मुताबिक, सभी प्रक्रियाओं का विवरण ग्राहकों की जानकारी के लिए ऋणदाताओं की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। ऋणदाता ग्राहक की मौजूदगी में ही कर्ज मंजूर करेंगे और गारंटी परीक्षण करेंगे। परीक्षण प्रक्रिया में पत्थर के वजन आदि से संबंधित कटौतियों के बारे में ग्राहक को समझाया जाएगा। जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्र में इसका विवरण शामिल होगा। लोन एग्रीमेंट में प्रतिभूति के रूप में लिए गए सोने के गारंटी का विवरण, मूल्य, नीलामी प्रक्रिया की जानकारी और नीलामी के लिए हालात, नीलामी आयोजित होने से पहले ऋण के पुनर्भुगतान/निपटान के लिए उधारकर्ता को दी जाने वाली नोटिस अवधि का विवरण शामिल होना चाहिए। कर्ज लेने वालों के साथ सभी संचार विशेष रूप से ऋण की शर्तें या अन्य महत्वपूर्ण बातें जो उधारकर्ता या ऋणदाता के हित को प्रभावित करते हैं, उन्हें ग्राहक की भाषा में ही बताना होगा। इसमें निर्धारित सोने के मूल्य के अनुपात में कर्ज का उल्लंघन आदि भी शामिल होंगे। अशिक्षित ग्राहकों को गवाह की उपस्थिति में महत्वपूर्ण नियम और शर्तें समझानी होंगी।

कंपनियों के शेयर टूटे

आरबीआई की सख्ती से गोल्ड लोन कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। मुथूट फाइनेंस 6.70 फीसदी टूट गया। आईआईएफएल फाइनेंस 2.56 फीसदी और मणप्पुरम फाइनेंस 1.75: गिरकर बंद हुआ।

पूनम शर्मा बनीं फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की 42वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली। देश के महिला–केंद्रित व्यापार और उद्यमिता मंच फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ) के 41वें वार्षिक सत्र के अवसर पर पूनम शर्मा ने एफएलओ की 42वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। एफएलओ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (थ्ब्ब्) का महिला प्रभाग है और यह दक्षिण–पूर्व एशिया का सबसे पुराना और प्रमुख महिला–नेतृत्व वाला व्यापारिक चौंबर माना जाता है। इस दौरान पूनम ने कहा कि मेरे नेतृत्व में एफएलओ का उद्देश्य महिलाओं की आवाज को ताकत देना होगा। ऐसी आवाज जो न केवल समाज की सोच को बदल सके, बल्कि

नीति–निर्माण और आर्थिक निर्णयों को भी प्रभावित कर सके। हम ऐसा वातावरण बनाएंगे, जिसमें महिलाएं आत्मनिर्भर बनें, नेतृत्व करें और उद्यमिता के क्षेत्र में क्रांति लाएं। पूनम शर्मा स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्र की एक सफल और प्रगतिशील महिला उद्यमी हैं। वह बैद्यनाथ समूह परिवार से आती है, जो आयुर्वेदिक उत्पादों का एक प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक ब्रांड है। चिकित्सा, टॉनिक, सौंदर्य उत्पादों और जीवनशैली के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। एफएलओ की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पूनम शर्मा का कार्यकाल वर्ष 2025–26 तक रहेगा। एफएलओ की स्थापना 1983 में फिक्की के एक प्रभाग के रूप में हुई थी। वर्तमान में इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और इसके देश भर में 20 सक्रिय अध्याय हैं। एफएलओ लगभग 13,000 से अधिक महिला उद्यमियों, पेशेवरों और कॉर्पोरेट लीडर्स का प्रतिनिधित्व करता है।

हेली मैथ्यूज : मोच के चलते स्ट्रेचर पर बाहर गईं, टीम मुश्किल में दिखी तो वापस आईं, दर्द सहते हुए जड़ा शतक

लाहौर। महिला विश्व कप 2025 के क्वालिफिकेशन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने सभी फैंस को भावुक कर दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को मैच के बीच में ही मोच आई। वह दर्द से कराहती रहीं। जब उनसे बल्लेबाजी नहीं हुई तो वह स्ट्रेचर पर लेटकर मैदान से बाहर गईं (दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं)। फिर टीम को मुश्किल में देखा तो दर्द के बावजूद वापस क्रीज पर आईं और बल्लेबाजी की। दर्द में रहते हुए उन्होंने बड़े–बड़े शॉट खेले और शतक भी पूरा किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। इसे देखकर फैंस भावुक तो हुए ही, लेकिन इस बात की सीख भी मिली की कभी हार नहीं मानना चाहिए। इसका वीडियो भी सामने आया है और फैंस हेली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हेली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड का मुकाबला

दरअसल, महिला विश्व कप 2025 क्वालिफायर में बुधवार को वेस्टइंडीज का सामना स्कॉटलैंड से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की महिला टीम 45 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विकेटकीपर सारा ब्राइस ने 55 रन और मेगन मैकॉल ने 45 रन की पारी खेली। इस दौरान हेली ने गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के चार विकेट भी झटके थे। उन्होंने 10 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम को सात पर पहला झटका लगा था। इसके बाद हेली ने जायदा जेम्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। जायदा 45 रन बनाकर आउट हुईं। 120 रन पर वेस्टइंडीज के दो विकेट गिरे थे। इसके बाद एक वक्त यानी 39वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 192 रन हो गया था। 39वां ओवर खत्म होते ही हेली मैथ्यूज से रहा नहीं गया और उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया।

39वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुईं हेली मैथ्यूज

39वें ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। हेली 99 गेंद में 95 रन और आलिया एक रन बनाकर क्रीज पर थीं। इतने रन तक पहुंचने में भी हेली को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें शुरुआती ओवरों में ही मोच आई थी, लेकिन जैसे तैसे शॉट लगाकर उन्होंने पारी जारी रखी थी। कई बार तो फीजियो मैदान में आए और दर्द से कराह रहीं हेली का इलाज किया। हेली दर्द से कई बार जमीन पर भी ले गईं। 39वें ओवर में उनसे नहीं रहा गया और रिटायर्ड हर्ट हुईं। हेली को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। फिर 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर जैसे ही वेस्टइंडीज का आठवां विकेट गिरा। हेली ने मैदान पर वापस आने का फैसला लिया। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने चौका लगाया और फिर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उनकी जगह कैथरीन फ्रेजर बल्लेबाजी के लिए आईं और 42वें ओवर की ही चौथी गेंद पर वह आउट हो गईं। इसके बाद मजबूरी में हेली को मैदान पर वापस आना पड़ा। अगली ही गेंद पर उन्होंने लंगड़ाते हुए एक रन लेकर शतक पूरा किया।

वेस्टइंडीज टीम 11 रन से मैच हारी

42 ओवर तक वेस्टइंडीज का स्कोर नौ विकेट पर 205 रन था। अगले आठ ओवर में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 40 रन चाहिए थे और एक विकेट शेष था। इसके बाद हेली ने दर्द से कराहते हुए एक पैर पर सारा बल डालकर एक ही ओवर में तीन चौके भी लगाए। आलिया और हेली के बीच 10वें विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी हुई, लेकिन 47वें ओवर में आलिया आउट हो गईं और वेस्टइंडीज की उम्मीदों पर पानी फिर गया। वेस्टइंडीज की पारी 46.2 ओवर में 233 रन पर सिमट गई। कप्तान हेली मैथ्यूज 113 गेंद में 14 चौके की मदद से 114 रन बनाकर नाबाद रहीं। सोशल मीडिया पर फैंस उनके जज्बे को सलाम कर रहे हैं। इसका वीडियो फैन कोड ने शेयर किया है। महिला विशअव कप 2025 क्वालिफायर में छह टीमें खेल रही हैं। इनमें वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के अलावा थाईलैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमें हैं। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जा रहा है। मैचों का आयोजन लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हो रहा है।

लय बरकरार रखने उतरेंगी दिल्ली और बेंगलुरु की टीमें, विराट और स्टार्क पर होंगी नजरें

बंगलुरू। शानदार फॉर्म में चल रहीं दिल्ली और बेंगलुरु की टीमें गुरुवार को आपस में भिड़ेंगी। बंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 का 24वां मुकाबला खेला जाएगा। इस दौरान विराट कोहली का सामना मिचेल स्टार्क से होगा। दिल्ली ने अब तक खेले सभी तीनों मुकाबले जीते हैं जबकि आरसीबी ने चार में तीन मैचों में जीत का स्वाद चखा है। दोनों टीमें क्रमशः पहले और तीसरे स्थान पर हैं। आरसीबी ने कोलकाता, चेन्नई और मुंबई में जीत दर्ज की और एकमात्र पराजय उसे चिन्नास्वामी स्टेडियम पर गुजरात टाइटंस के हाथों झेलनी पड़ी। हार की वजह हालांकि टीम की कोई कमी नहीं रही बल्कि चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच ने उसे हैरान कर दिया। वहीं, विशाखापत्तनम और चेन्नई जैसी अलग अलग पिचों पर जीत दर्ज करके आई दिल्ली के खिलाफ आरसीबी को सावधान रहना होगा। वैसे विराट के फॉर्म में आने से मेजबान टीम के हौसले बुलंद है।

विराट और स्टार्क के बीच होगी टक्कर

विराट को हालांकि आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव से पार पाना होगा। कोहली ने स्टार्क के खिलाफ टी20 क्रिकेट में 31 गेंद में 72 रन बनाए हैं। इस सत्र में स्टार्क तीन मैचों में 11 की औसत से नौ विकेट ले चुके हैं। पावरप्ले में स्टार्क और कोहली की भिड़ंत पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।

कुलदीप के खिलाफ विराट का कैसा होगा रुख?

इसके बाद कुलदीप से सामना होगा जो छह की इकॉनॉमी रेट से छह विकेट ले चुके हैं। वैसे टी20 क्रिकेट में स्पिनरों के खिलाफ ऊंचे और स्वीप शॉट खेलने की अपनी कमजोरी से पार पा चुके कोहली काफी उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे उन्हें धीमे बल्लेबाजों के खिलाफ खुलकर खेलने में मदद मिल रही है।

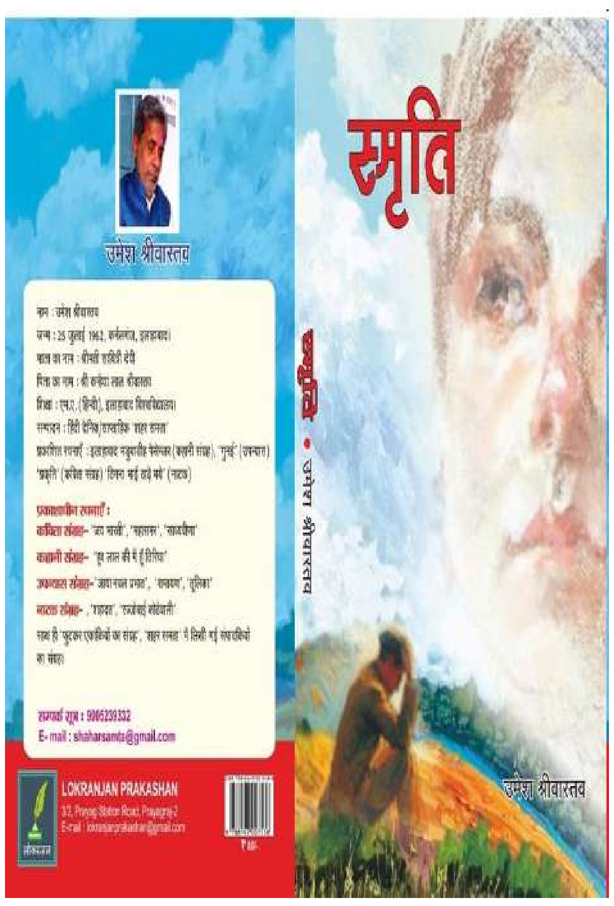

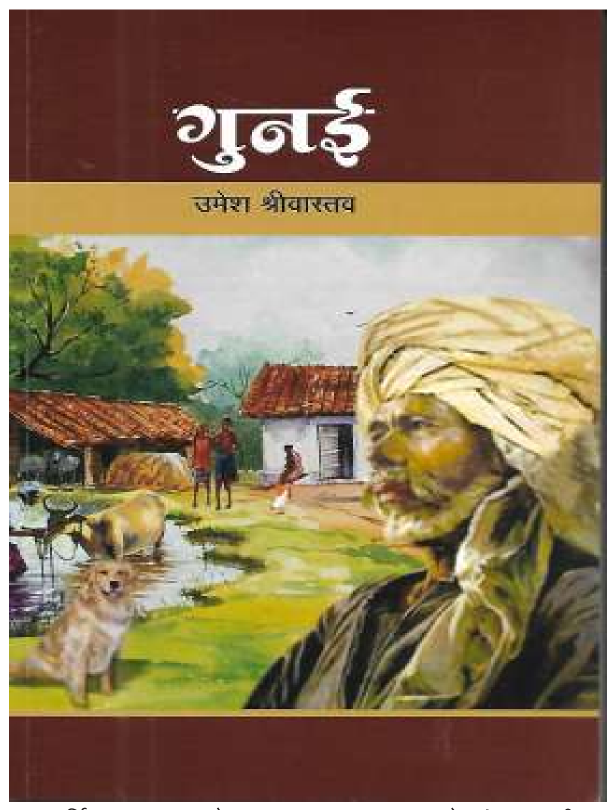

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

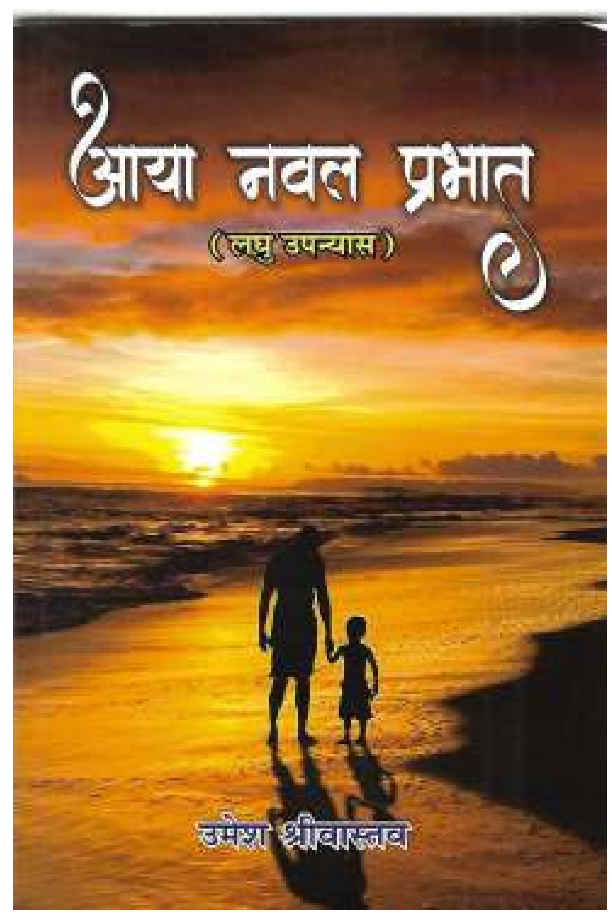

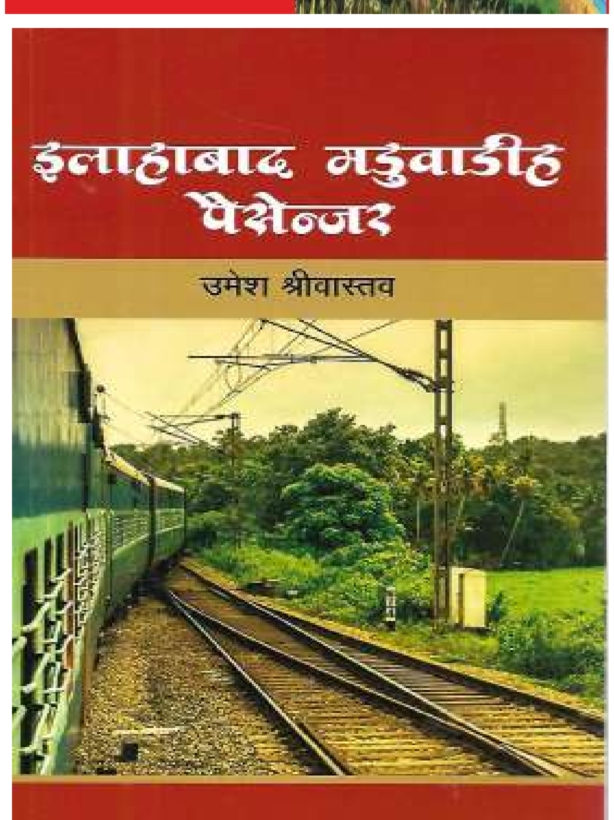

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

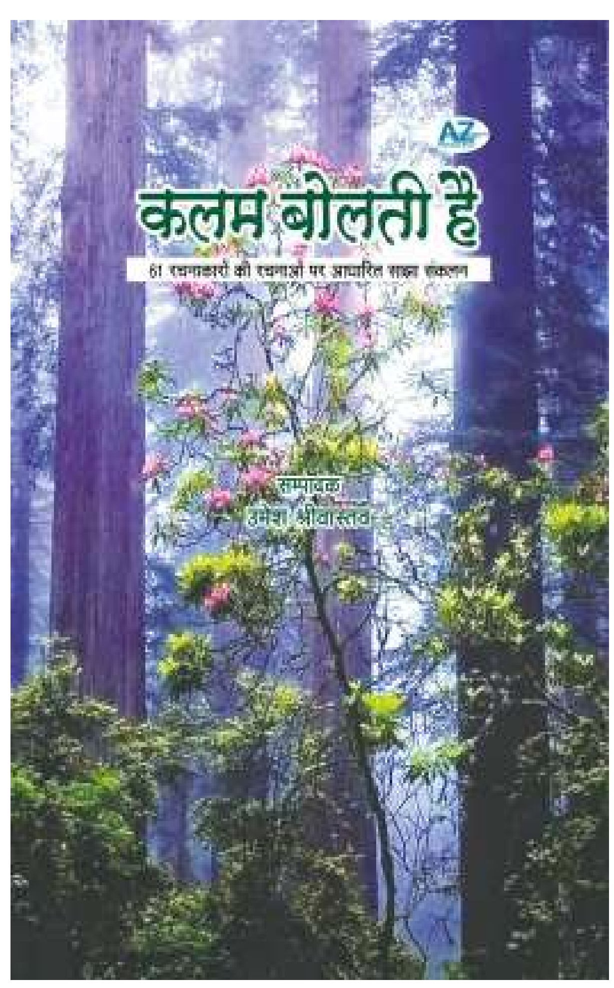

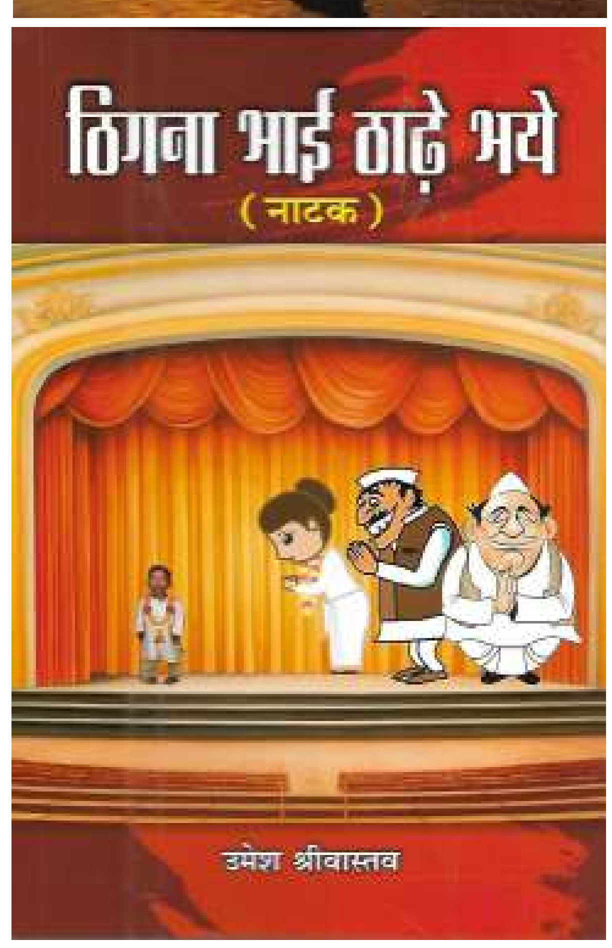

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शांत नहीं बैठेंगे, 125% टैरिफ से गंभीर हुआ अमेरिका-चीन 'ट्रेड वॉर'

चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग पर शुल्क बढ़ाकर 125 प्रतिशत करने और उसे 90-दिवसीय टैरिफ हॉल्ट से बाहर रखने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। चीन ने कहा कि वह टकराव नहीं चाहता है। एक बयान में चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन की स्थिति स्पष्ट है, उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका बातचीत करना चाहता है, तो हमारा दरवाजा खुला है, लेकिन बातचीत आपसी सम्मान और समानता के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दबाव, धमकी और ब्लैकमेल चीन से निपटने का सही

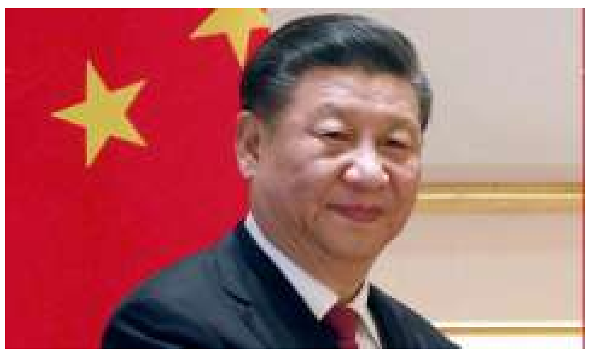

तरीका नहीं है और चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन अपने तरीके पर अड़ा रहा तो बीजिंग पीछे नहीं हटेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि 75 से अधिक देशों ने अमेरिका के प्रतिनिधियों को बुलाया है और इन देशों ने मेरे मजबूत सुझाव पर अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से जवाबी कार्रवाई नहीं की है, इसलिए मैंने 90 दिन के विराम (पॉज) को अधिकृत किया है। उन्होंने कहा, टैरिफ पर इस विराम से नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिलेगा। वहीं, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करने के इच्छुक देशों के लिए यह दर घटकर 10: हो जाएगी, जिसमें कनाडा और मैक्सिको भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 90 दिन के विराम के दौरान रेसिप्रोकल टैरिफ 10: रहेगा। यह भी तत्काल प्रभाव से लागू होगा। चीन के पलटवार पर ट्रम्प ने उस पर टैरिफ 104: से बढ़ाकर 125: करने का ऐलान किया है। उन्होंने यह भी कहा कि ये चीन पर अमेरिकी टैरिफ बढ़ा रहे हैं, क्योंकि वे बीजिंग को बातचीत के लिए तैयार करने पर काम कर रहे हैं। बता दें कि चीन ने अमेरिका के सभी उत्पादों पर टैरिफ 50: बढ़ाकर (यूरोपीय संघ) के 27 सदस्य देशों ने भी 23 अरब डॉलर (1.8 लाख करोड़ रु.) के अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ का प्रस्ताव मंजूरी दी थी।

आधी रात ट्रंप ने टैरिफ पर कदम क्यों खींचे? भारत समेत 50 देश कौन कौन से हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को चीन को छोड़कर अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों पर अपने व्यापक टैरिफ पर 90 दिनों की रोक को अधिकृत किया। चीन पर टैरिफ को 125 प्रतिशत पर बनाए रखते हुए, ट्रम्प ने टैरिफ में रोक की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि जिन देशों ने उनके टैरिफ के खिलाफ जवाबी कार्रवाई नहीं की है, उन्हें छूट मिलेगी। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, निम्न तालिका ट्रम्प द्वारा मूल रूप से धमकी दिए गए टैरिफ और 90-दिवसीय रोक के फैसले के बाद नए अपडेट किए गए शुल्कों को दर्शाती है।

जो देश डील करेंगे, उनके लिए टैरिफ 10प्रतिशत रहेगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, 75 से अधिक देशों ने अमेरिका के प्रतिनिधियों को बुलाया है और इन देशों ने मेरे मजबूत सुझाव पर अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से जवाबी कार्रवाई नहीं की है, इसलिए मैंने 90 दिन के विराम (पॉज) को अधिकृत किया है। उन्होंने कहा, टैरिफ पर इस विराम से नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिलेगा। वहीं, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करने के इच्छुक देशों के लिए यह दर घटकर 10: हो जाएगी, जिसमें कनाडा और मैक्सिको भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 90 दिन के विराम के दौरान रेसिप्रोकल टैरिफ 10: रहेगा। यह भी तत्काल प्रभाव से लागू होगा। मालूम हो, 10: टैरिफ शनिवार से लागू होने वाले ज्यादातर देशों के लिए बेसलाइन दर थी। यह ट्रम्प द्वारा यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर लगाए गए 20: टैरिफ, जापान से आयात पर 24: और दक्षिण कोरिया से आने वाले उत्पादों पर 25: टैरिफ से काफी कम है।

पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद अहले-ए-सुन्नत वल जमात और इंटरनेशनल खत्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले से सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था। गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में उनका साथी कारी शाहिदुल्लाह भी घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह लक्षित हत्या का मामला प्रतीत होता है।

यमन में संदिग्ध अमेरिकी हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए : हूती विद्रोही

यमन में अमेरिका के संदिग्ध हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए, जबकि इससे एक दिन पहले हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच विद्रोहियों ने तस्वीरें जारी करके एक और अमेरिकी 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' को मार गिराने का दावा किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

पलटवार न करें, रिवार्ड मिलेगा...व्हाइट हाउस का सभी देशों को सीधा संदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटकीय नीतिगत बदलाव करते हुए चीन को छोड़कर अधिकांश देशों पर लगाए गए अपने व्यापक टैरिफ को कम से कम 90 दिनों के लिए वापस ले लिया। यह घोषणा ट्रम्प द्वारा चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 125 प्रतिशत करने के बाद की गई, क्योंकि चीन ने सभी अमेरिकी आयातों पर 84 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया था। ऐसा लगता है कि दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की ओर से एक दूसरे पर लगाए गए ये कदम मौजूदा व्यापार युद्ध में नए शिखर पर पहुंच गए हैं। व्हाइट हाउस ने अपने दबाव को दोगुना करने का फैसला किया है, क्योंकि इसने देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि बदला न लें और आपको पुरस्कृत किया जाएगा।

ट्रम्प ने 90-दिन का विराम क्यों अधिकृत किया?

वैश्विक बाजार में मंदी की आशंका के बीच बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज्यादातर देशों पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया। ट्रंप के इस कदम से ऐसा प्रतीत होता है कि उनका प्रयास अमेरिका और बाकी देशों के बीच के व्यापारिक टकराव को कम करते हुए केवल चीन पर ध्यान केंद्रित करने की ओर है। इस खबर के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी आई, हालांकि अन्य देशों पर टैरिफ घटाने का पूर्ण विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि मैंने 90-दिन का विराम और इस अवधि के दौरान 10 प्रतिशत की काफी कम पारस्परिक टैरिफ को अधिकृत किया है, जो तुरंत प्रभावी है। टैरिफ पर उनके अचानक पीछे हटने को अमेरिका और दुनिया के बीच अभूतपूर्व व्यापार युद्ध को बीजिंग और वाशिंगटन के बीच टकराव तक सीमित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

चीन-अमेरिका टकराव

इससे पहले, चीन ने अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर 84 प्रतिशत शुल्क लगाकर अमेरिकी टैरिफ का जवाब दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध और तेज हो गया था। यह बढ़ोतरी ट्रम्प द्वारा 60 देशों पर लगाए गए विस्फोटक नए टैरिफ के बाद की गई थी, जिसमें चीन पर 104 प्रतिशत टैरिफ शामिल थे। इसके अलावा, चीन ने अमेरिका द्वारा टैरिफ में की गई नवीनतम बढ़ोतरी के बाद विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के विवाद निपटान तंत्र के तहत अमेरिका के खिलाफ मुकदमा भी दायर किया है। चीनी वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा पहले के पारस्परिक टैरिफ के अलावा अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा के जवाब में, चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका द्वारा अतिरिक्त टैरिफ उपाय डब्ल्यूटीओ नियमों का गंभीर उल्लंघन करते हैं।

तहव्वुर राणा के भारत पहुंचने से घबराया पाकिस्तान, पहचानने से भी किया इनकार

26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत पहुंचने के साथ ही, प्रत्यर्पण पर पाकिस्तान की पहली प्रतिक्रिया यह आई है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने भारत पर हुए सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक के मुख्य आरोपी से खुद को अलग कर लिया है। अपने बयान में पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने कहा कि तहव्वुर राणा ने पिछले दो दशकों में अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। उसकी कनाडाई राष्ट्रीयता बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान खुद को उससे दूर कर रहा है क्योंकि तहव्वुर राणा के पाकिस्तानी सेना के साथ-साथ आईएसआई से संबंध एक खुला रहस्य हैं, और इस्लामाबाद को डर है कि राणा मुंबई 26/11 हमलों की साजिश में पाकिस्तान की भूमिका के बारे में खुलासा कर सकता है।

जेल सूत्रों ने बुधवार को बताया कि राणा, जिसे अमेरिका से प्रत्यर्पित किया जा रहा है, के भारत पहुंचने पर यहां तिहाड़ जेल में उच्च सुरक्षा वाले वार्ड में रखे जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उसे जेल में रखने के लिए आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं, और जेल अधिकारी अदालत के आदेश का इंतजार करेंगे। दिल्ली स्थित पटियाला हाउस अदालत के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जहां मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद बृहस्पतिवार को पेश किए जाने की संभावना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस के जवानों को अदालत के बाहर तैनात किया गया है और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए आगंतुकों की गहन तलाशी ली जा रही है। इस मामले की सुनवाई एक एनआईए जज द्वारा किए जाने की उम्मीद है। इस बीच, तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा कि राणा को उच्च सुरक्षा वाले जेल वार्ड में रखने की सभी तैयारियां कर ली गई हैं और वे अदालत के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी राणा को अमेरिका से दिल्ली लाया जा रहा है। भारत पहुंचने पर उसे तिहाड़ जेल में रखे जाने की संभावना है। पाकिस्तानी कनाडाई मूल का राणा (64) 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है।

आतंकियों पर भारत के तगड़े एक्शन से खुश हुआ इजरायल, बोला- थैंक्यू मोदी सरकार

इजराइल ने पाकिस्तानी-कनाडाई आतंकवादी तहव्वुर राणा और मुंबई 26/11 हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण के कमद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इजराइल ने 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का स्वागत किया है। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर इस घटनाक्रम का स्वागत किया। अजार ने एक वीडियो संदेश में कहा ति मैं आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत सरकार की दृढ़ता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को बृहस्पतिवार को विशेष विमान से भारत लाए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी मूल के 64 वर्षीय कनाडाई नागरिक राणा को लॉस एंजिलिस के 'मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर' में रखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि एक बहु-एजेंसी टीम अमेरिका गई है और राणा को भारत लाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ सभी कागजी कार्रवाई और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। प्रत्यर्पण से बचने के राणा के आखिरी प्रयास के विफल होने के बाद उसे भारत लाया जा रहा है, क्योंकि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने उसके आवेदन को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "आप सभी जानते हैं कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने उसकी याचिका खारिज कर दी है। राणा को पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा माना जाता है, जो 26/11 के मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह ने अरब सागर में समुद्री मार्ग से भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई में घुसपैठ करने के बाद एक रेलवे स्टेशन, दो आलीशान होटलों और एक यहूदी केंद्र पर

हमला किया था। साल 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकियों समेत कुल 166 लोग मारे गए थे। इन हमलों को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। नवंबर 2012 में, पाकिस्तानी समूह के एकमात्र जीवित आतंकवादी अजमल आमिर कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दे दी गई थी। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि राणा ने हेडली को भारत के लिए वीजा दिलाने में मदद की थी।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से कम से कम 184 लोगों की मौत

डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक नाइट क्लब की छत गिरने की घटना में मृतकों की संख्या 184 पहुंच गई है। डोमिनिकन गणराज्य के फोरेंसिक संस्थान के बाहर बुधवार देर रात दर्जनों लोग अपने प्रियजनों की तलाश में जमा हुए थे। हादसे के बाद कई लोग अब भी लापता हैं। इससे पहले दिन में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक पैथोलॉजी के अधिकारियों ने 54 पीड़ितों के नाम उजागर किये थे जिनकी पहचान की जा चुकी थी। अपने रिश्तेदार की खबर मिलने का इंतजार कर रही एक महिला ने कहा, हम रात होने तक इंतजार नहीं कर सकते! हम पागल हो जाएंगे! अधिकारियों ने शांति की अपील करते हुए कहा कि उन्होंने कम से कम 28 शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया है, लेकिन अभी तक बरामद सभी शवों की संख्या ज्ञात नहीं है। बुधवार देर रात अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या कम से कम 184 पर पहुंच गई है, जबकि घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई।

आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक मैनुअल मेंडीज ने बताया कि मृतकों में पेरेज भी शामिल हैं। सरकार ने बुधवार शाम को घोषणा की कि वह बचे हुए लोगों की तलाश स्थगित कर रही है और नाइट क्लब के मलबे से 145 लोगों को बचाए जाने के बाद बचाव चरण में प्रवेश कर रही है। खोज में मदद करने के लिए प्यूर्टो रिको और इजराइल से बचाव दल बुधवार सुबह पहुंच गए थे।

शेख हसीना और उनकी बेटी की बढ़ीं मुश्किलें, अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में जारी किया एक और वारंट

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ रही हैं। बांग्लादेश की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ एक और गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर धोखाधड़ी से आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की ओर से दायर चार्जशीट को ढाका मेट्रोपॉलिटन सीनियर स्पेशल जज जाकिर हुसैन गालिब ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी फरार हैं, इसलिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के अभियोजक मीर अहमद सलाम ने बताया कि मेट्रोपॉलिटन सीनियर स्पेशल जज मोहम्मद जाकिर हुसैन गालिब ने वारंट जारी किया है। न्यायाधीश ने आयोग को पुरबाचल इलाके में राजुक द्वारा पट्टे पर दी गई जमीन से जुड़े आरोप की सुनवाई के लिए चार मई को अपनी जांच रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य सह-आरोपियों के खिलाफ 12 जनवरी, 2025 को मामला दर्ज किया था। चार्जशीट के मुताबिक साइमा वाजेद पुतुल ने तत्कालीन प्रधानमंत्री और अपनी मां हसीना को प्लॉट पाने और त।श्रन्ज्ञ के बजाय उनके लिए आवेदन करने के लिए अवैध रूप से प्रभावित किया था। यह नियमों का उल्लंघन था। एसीसी ने आरोप लगाया कि यह जानते हुए कि वह और उनके परिवार के सदस्य ढाका शहर में राजुक के अधिकार क्षेत्र में एक घर या फ्लैट या आवास सुविधा के मालिक हैं, फिर भी पुतुल ने ऐसा किया। पुतुल वर्तमान में एक नवंबर, 2023 से नई दिल्ली में स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्) के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्य कर रही हैं। इससे पहले बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना, उनके राजनीतिक सहयोगियों, वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध और जबरन गायब होने जैसे आरोपों पर दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। बुधवार को एसीसी ने मुजीब शताब्दी समारोह के लिए हसीना, उनकी छोटी बहन शेख रेहाना और एक पूर्व अधिकारी द्वारा 4,000 करोड़ टका की बर्बादी की नई जांच शुरू की है। एसीसी ने आरोप लगाया कि उसने जो राशि बताई है, वह राष्ट्रीय खजाने से खर्च की गई है।

अगर ईरान परमाणु हथियार कार्यक्रम नहीं छोड़ता तो उसके खिलाफ सैन्य हमले का अगुवा इजराइल होगाः अमेरिका

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को नहीं छोड़ता है तो उसके खिलाफ संभावित सैन्य हमले का "अगुवा" इजराइल होगा। ट्रंप ने इस सप्ताहांत में ओमान में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच होने वाली वार्ता से पहले बुधवार को यह टिप्पणी की। ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वार्ता "प्रत्यक्ष" होगी, जबकि ईरान ने इस अमेरिका के साथ प्रस्तावित बातचीत को "अप्रत्यक्ष" बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "अगर इसके लिए सेना की आवश्यकता होगी तो हम वह भी करेंगे।"

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।